दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 303/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 16 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

यह जनगणना भारत की16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं होगी

जातिगत जनगणना के लिए अधिसूचना जारी

नोटिफिकेशन के मुताबिक पहले फेज की शुरुआत 1 अक्टूबर 2026 से होगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। इसके लिए राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से ढके गैर-समकालिक क्षेत्रों में जनगणना 1 अक्टूबर

2026 से शुरू होगी। देश के बाकी हिस्सों में यह प्रक्रिया 1 मार्च 2027 से शुरू होगी। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जनगणना कराने की तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, महापंजियन एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी। सरकारी बयान के अनुसार, यह जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। इसके लिए मोबाइल एप तैयार किए जाएंगे और उसी में जनगणना से जुड़ी सभी जानकारी एकत्र की जाएगी। एप 16 भाषाओं में उपलब्ध होंगे।

जनगणना में पहली बार जाति गणना शामिल होगी

गृह मंत्री शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था, 16वीं जनगणना में पहली बार जाति गणना शामिल होगी। 34 लाख गणक और सुपरवाइजर, 1.3 लाख जनगणना पदाधिकारी आधुनिक मोबाइल और डिजिटल उपकरणों के साथ यह कार्य करेंगे। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख और हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में 1 अक्तूबर, 2026 से और देश के बाकी हिस्से में 1 मार्च, 2027 से जातियों की गणना और जनगणना का कार्य शुरू होगा।

एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का किया स्वागत

राष्ट्रपति निकोस के साथ मोदी ने की कई मुद्दों पर चर्चा

निकोसिया। पीएम मोदी के साइप्रस दौरे का आज दूसरा दिन है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने राष्ट्रपति भवन में मोदी का स्वागत किया। इसके बाद दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच बैठक हुई। फिर मोदी जी-7 समिट में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना हो जाएंगे। मोदी रविवार को साइप्रस पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत हुआ। इसके बाद वे लिमासोल गए। होटल के बाहर भारतीय समुदाय से मुलाकात की। बच्चों को दुलार किया। साथ ही भारत माता की जय के नारे लगाए। दोनों देशों के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए मोदी और साइप्रस राष्ट्रपति के बीच एक बैठक हुई। मोदी ने कहा- साइप्रस में कई भारतीय कंपनियां हैं। इसे यूरोप के प्रवेश द्वार के रूप में देखा है। ये हमारा भरोसेमंद पार्टनर है।

कनाडा में जी-7 समिट आज से, पीएम शामिल होंगे

पीएम मोदी आज साइप्रस दौरा खत्म कर कनाडा पहुंचेंगे। यहां कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के साथ पहली मुलाकात होगी। जनवरी 2025 में जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद 14 मार्च को मार्क कार्नी कनाडा के नए पीएम बने थे। जस्टिन ट्रूडो के वक्त भारत-कनाडा के संबंधों में खटास आई थी। भारत को जी-7 समिट का न्योता समिट शुरू होने के ठीक 10 दिन पहले मिला था। उधर, पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प की समिट के इतर ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली मुलाकात हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, फ्रांस के राष्ट्पति इमैनुएल मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए कनाडा पहुंच गए है।

पीएम मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान अब तक 20 से देश कर चुके सम्मानित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया है। साइप्रस के राष्टपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस 3 से सम्मानित किया। ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय साइप्रस की ओर से प्रदान किया जाने वाला नाइटहुड सम्मान है, जिसका नाम साइप्रस के प्रथम राष्टपति

आर्कबिशप मकारियोस तृतीय के नाम पर रखा गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राष्टपति, ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस3 सम्मान के लिए मैं आपका, साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

सांध्यप्रकाश विशेष

सोनिया गांधी की तबीयत बिगड़ी सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें पेट से जुड़ी समस्याओं के चलते रविवार को रात करीब 9 बजे भर्ती करवाया गया है। फिलहाल उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। इससे पहले 7 जून को भी उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। तब उन्हें शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि तब कहा गया था कि उन्हें बस नियमित

जांच के लिए भर्ती करवाया गया था और कुछ देर बाद ही कांग्रेस नेता को अस्पताल से छुट्टी मिल गई थी। सोनिया गांधी हाल के महीनों में एक से ज्यादा बार अस्पताल में भर्ती हो चुकी हैं। फरवरी में भी उन्हें पेट से जुड़ी समस्याओं के चलते गंगाराम अस्पताल के गैस्ट्रो विभाग में भर्ती कराया गया था। वहीं जब वह शिमला में भर्ती हुई थीं तब मामूली जांच की बात कही गई थी। हाल के वर्षों में सोनिया गांधी को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 250 हज यात्रियों की फ्लाइट के पहिए से उठी चिंगारी और धुआं

लखनऊ। अमौसी एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। सऊदी अरब से लौट रही एयर अरबिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आ गई। लैंडिंग के तुरंत बाद विमान के एक पहिए से चिंगारी और धुआं उठता देखा गया। विमान सऊदी अरब के जेद्दा शहर से 242 हज यात्रियों को लेकर भारत लौटा था। इसने शनिवार रात 11.30 बजे उड़ान भरी थी और रविवार सुबह करीब 6.30 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। रनवे पर सुरक्षित उतरने के बाद जब प्लेन टैक्सी-वे की ओर बढ़ रहा था, तभी बाएं पहिए के पास से तेज चिंगारी और धुंआ निकलता दिखा। यह देख पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित किया। खतरे को भांपते हुए एयरपोर्ट की फायर सेफ्टी टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची।

जर्मनी से आई लुफ्थांसा फ्लाइट को नहीं मिली हैदराबाद में उतरने की अनुमति

हैदराबाद। जर्मनी से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस फ्लाइट सोमवार सुबह हैदराबाद आ रही थी लेकिन उसे लौटना पड़ा। हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट को उतरने की अनुमति नहीं दी गई जिससे उसे यूटर्न लेना पड़ा। बताया जा रहा है कि लुफ्थांसा की फ्लाइट को आज सुबह हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करना था। रविवार को फ्लाइट स्18752 जर्मनी से हैदराबाद के लिए रवाना हुई थी। हैदरादाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अफसर ने

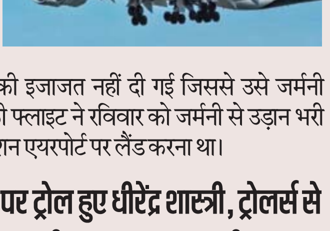

बताया कि फ्लाइट को यहां उतरने की इजाजत नहीं दी गई जिससे उसे जर्मनी लौटना पड़ा। लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट ने रविवार को जर्मनी से उड़ान भरी थी। आज सुबह उसे हैदराबाद इंटरनेशन एयरपोर्ट पर लैंड करना था।

60 हजार की जैकेट पहनने पर ट्रोल हुए धीरेंद्र शास्त्री, ट्रोलर्स से कहा- तुम्हारे पेट में दर्द है तो अगली बार 1.20 लाख की पहनूंगा

छतरपुर। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री इन दिनों विदेश दौरे पर हैं। ऑस्ट्रेलिया में कथा के दौरान उनके पहने चश्मे और जैकेट को लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। अब उन्होंने इस ट्रोलिंग का जवाब दिया है। शास्त्री ने ट्रोल करने वालों को जवाब देते हुए कहा कि जिसे परेशानी है, वो सुन ले। ये जैकेट हमारी नहीं है, शिष्यों ने दी है। और हां, अगर इतनी ही जलन है तो कल 1 लाख 20 हजार की जैकेट पहनूंगा। तुम वीडियो बनाना और वायरल करना। हम नहीं सुधरेंगे।

एक बच्ची दीक्षा ले चुकी थी, उसने जैकेट खरीदी– धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम ऑस्ट्रेलिया में कथा कर रहे हैं। बहुत ठंडी थी, तो चेलों से कहा कोई जैकेट खरीदो। एक बच्ची दीक्षा ले चुकी थी, उसने जैकेट खरीदी।

आज आखिरी दिन- बीजेपी विधायक-सांसदों के प्रशिक्षण वर्ग में पहुंचे राजनाथ सिंह

सीएम ने किया योग, विधायकों से कहा- मेरा हाथ झुकाकर दिखाओ

पचमढ़ी। मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में चल रहे बीजेपी विधायकों और सांसदों के प्रशिक्षण वर्ग का आज, सोमवार को अंतिम दिन है। इस प्रशिक्षण वर्ग का समापन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। वह कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए है। इससे पहले, वर्ग के शुरुआत में सभी विधायक और सांसद प्रशिक्षण स्थल परिसर में योग के लिए पहुंचे।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शीर्षासन, मयूरासन सहित कई दुर्लभ आसन किए। इसके बाद उन्होंने चार-पांच विधायकों से कहा, मेरा हाथ झुकाकर दिखाओ। सीएम ने अपनी भुजा फैलाई, लेकिन चार-पांच विधायक भी उनका हाथ नहीं झुका सके। बता दें कि 14 जून से पचमढ़ी के होटल ग्लेन व्यू में इस वर्ग की शुरुआत हुई थी। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया था।

पहले दिन केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सत्रों को संबोधित किया था। दूसरे दिन केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित तमाम सीनियर नेताओं ने सत्रों को संबोधित किया था।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत ग्रामीण एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने पचमढ़ी आगमन पर अभिनंदन किया।

सीएम डॉ. यादव आज 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में राशि अंतरित करेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लाड़ली बहना योजना शुरू की गई है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने जून माह की किस्त आज जारी करेंगे। आज मुख्यमंत्री मोहन यादव जबलपुर जिले की शहपुरा तहसील के बेलखेड़ा गांव में होने वाले लाड़ली बहना एवं महिला सम्मेलन के दौरान राशि जारी करेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव एक क्लिक के माध्यम से प्रदेश की 1.27 करोड़ लाभार्थी बहनों के खातों में 1250 रुपए की राशि ट्रांसफर करेंगे। बता दें कि पूर्व में 13 जून को इस राशि को ट्रांसफर किया जाना था, लेकिन अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे के चलते यह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। अब इस राशि का वितरण सोमवार को जारी किया जाएगा। यह योजना की 25वीं किस्त है। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज उदयपुरा में प्रदेश के 375 स्वास्थ्य संस्थानों में 425 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे। लगभग 138 करोड़ से अधिक के कार्यों का भी शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री हितग्राहियों के खाते में सामाजिक सुरक्षा पेंशन और सिलेंडर रिफिलिंग की राशि भी अंतरित करेंगे।

16 राज्यों में आज भारी बारिश की चेतावनी

एमपी में 24 से 48 घंटे में मानसून की एंट्री, नरसिंहपुर-डिंडौरी में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मप्र,राजस्थान, बिहार समेत 16 राज्यों आज भारी बारिश का अलर्ट है। रविवार को राजस्थान में लगातार दूसरे दिन भी प्री-मानसून की बारिश का दौर जारी रहा और जयपुर, जोधपुर समेत 14 जिलों में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज भी राजस्थान के 11 जिलों में भारी, जबकि बाकी 14 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मध्य प्रदेश में मानसून 24 से 48 घंटे में एंट्री कर सकता है। इससे पहले प्री मानसून एक्टिव होने से पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी रहेगा। सोमवार को नरसिंहपुर और डिंडौरी में भारी बारिश का अलर्ट है। वहीं, मौसम विभाग ने बाकी पूरे प्रदेश में भी बारिश के साथ तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है।

यूपी में भीषण गर्मी के बीच बारिश का दौर शुरू हो गया है। आज 62 जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 18 जून को गोरखपुर के रास्ते राज्य में मानसून की एंट्री होगी।

ईरान का इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक

8 की मौत, 200 घायल; इजराइल ने रक्षा मंत्रालय के बाद अब विदेश मंत्रालय को निशाना बनाया

तेहरान/तेल अवीव। ईरान और इजराइल के बीच चौथे दिन भी लड़ाई जारी है। इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इससे एक दिन

पहले इजराइली सेना ने ईरानी रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में अब तक 224 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 1,277 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों के मारे जाने का दावा किया है। ईरान ने भी इजराइल पर पलटवार किया है। ईरान ने सोमवार सुबह सेंट्रल इजराइल में 4 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया।

ईरान ने 10 हजार भारतीयों को बाहर निकालने की दी इजाजत

ईरान और इजरायल एक-दूसरे पर लगातार मिसाइलें दाग रहे हैं। इस बीच ईरान में इजरायली हमलों के बाद स्थिति गंभीर हो गई है। खबरों के मुताबिक ईरान में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। तनाव चरम पर पहुंचने के बाद ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं शुरू हो गई थीं। वहीं ईरान ने अपनी हवाई सीमा को भी बंद कर दिया है, जिससे भारतीयों की मुसीबत और बढ़ गई। हालांकि ईरान ने भारत सरकार की अपील मानते हुए बड़ा फैसला किया है।

14 महीने के निचले स्तर पर आई थोक महंगाई

मई में ये 0.39प्रतिशत रही, खाने-पीने के सामान की कीमतों में कमी आई

नई दिल्ली। मई महीने में थोक महंगाई दर 0.39 प्रतिशत पर आ गई है। इसका 14 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में थोक महंगाई दर 0.26% रही थी। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई कम हुई है।

इससे पहले अप्रैल में थोक महंगाई 2.05% से घटकर 0.85% पर आ गई थी। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर था। वहीं मार्च 2024 में महंगाई 0.53% पर थी। आज यानी 16 जून को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने ये आंकड़े जारी किए हैं।

रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें सस्ती हुई

- रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई -1.44त्न से घटकर -2.02% हो गई।
- खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की

महंगाई 2.55त्न से घटकर 1.72% हो गई।

- फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -2.18% से घटकर -2.27 रही।
- मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.62% से घटकर 2.04 रही।

रिटेल महंगाई 6 साल के निचले स्तर पर आई– इससे पहले 12 जून को जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की रिटेल महंगाई मई में 2.82% पर आ गई है। ये 6 साल का निचला स्तर है।

अमरोहा के पटाखा फैक्ट्री में धमाका, बिखरी इमारत 4 महिलाओं की मौत

अमरोहा। यूपी के अमरोहा की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट होने से चार लोगों की मौत हो गई। धमाके के बाद मौके पर अफरातफरी मची गई। मलबे में दबे लोगों को निकाला जा रहा है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। अधिकारी में मामले की जांच-पड़ताल में जुट गए हैं। मलबे के नीचे दबे मजदूरों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

प्राणायाम के लिये निर्देशक, सिद्धान्त, सुझाव एवं सावधानियां

योग अभ्यास में आपकी लगन और नियमितता आपके अंदर शक्ति आत्मबल और विश्वास का सृजन करती है: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है, वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर योग साधकों को सेवा कार्यों के लिए हमेशा प्रेरित किया जाता है एवं योग आसन प्राणायाम के अभ्यास से कैसे हमारी रक्त संचार प्रणाली सही काम करती है रक्त चाप ठीक रहता है इसके बारे में बताया जाता है।

है। प्राण का अभिप्राय ऊर्जा है तथा श्वास लेना, श्वास छोड़ना और श्वास रोकना - इन तीनों क्रियाओं का सम्मिलित रूप प्राणायाम है। साधारणतः मनुष्य प्राणायाम के नाम से डरते हैं। इसके विषय में कुछ गलत धारणायें प्रचलित हैं, उदाहरणार्थ- प्राणायाम के अभ्यास में ताकत के साथ श्वास जिन अंगों में खींची जाती है वे अंग किसी भी क्षण फट सकते हैं और व्यक्ति की मृत्यु सम्भव है। यह बात वास्तविकता से बहुत दूर है। हम यहाँ पर जीवन के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली किसी भी बात का पक्ष नहीं ले रहे हैं। योग का यह उद्देश्य नहीं है और न इसमें ऐसी बातों का स्थान है। प्राणायाम विज्ञान के अभ्यास द्वारा पूरा लाभ प्राप्त करने हेतु प्राणायाम का अभ्यास प्रारम्भ करने के पूर्व साधक को किसी अनुभवी एवं योग्य योग शिक्षक से मार्गदर्शन अवश्य प्राप्त करना चाहिए, केवल तभी इस दिशा में प्रगति सुनिश्चित हो सकती है।

योग गुरु अग्रवाल नें प्राणायाम के निर्देशक सिद्धान्त सुझाव एवं सावधानियाँ के बारें में बताया कि प्राणायाम का अभ्यास हर कोई कर सकता है। इसमें धैर्यपूर्वक धीरे-धीरे आगे बढ़ने की आवश्यकता है। जल्दबाजी में कठिन अभ्यासों को करने से लाभ के बदले हानि की अधिक संभावना होती है। किसी भी अभ्यास में आगे बढ़ने के लिये कुछ पूर्व तैयारी की आवश्यकता होती है। आपके शरीर में फेफड़े, हृदय, नाड़ियाँ आदि सामान्यतया सशक्त होती हैं, और प्राणायाम के नियमित एवं उचित अभ्यास द्वारा इन्हें अतिरिक्त शक्ति प्राप्त होती है। इसके विपरीत यदि अति उत्साहवश आप क्षमता से अधिक अभ्यास करें, तो शरीर तथा उसके आंतरिक अंगों को थका देंगे, जिससे वे कमजोर हो जायेंगे तथा सम्भवतः क्षतिग्रस्त भी। इसलिये अतिरिक्त सावधानी तथा ध्यानपूर्वक अपनी सीमा के अन्दर अभ्यास करने की हम अनुशंसा करते हैं। बलपूर्वक रेचक न करें, आरामदायक सीमा से अधिक लम्बा कुम्भक न करें। श्वास, शरीर और मन पर अनावश्यक बल प्रयोग से बचें और अपनी वर्तमान क्षमता से बाहर कठिन प्राणायाम को सिद्ध करने की भूल कतई न करें।

धैर्य और लगन आध्यात्मिक जीवन की अनिवार्यताएँ भी हैं। प्राणायाम भी इसी में आता है। यह तो निश्चित है कि आपको अपनी मंजिल अवश्य मिलेगी। किन्तु यह उपलब्धि समय साध्य होती है। अस्तु, हताश या निराश होने की कोई आवश्यकता नहीं है, भले ही आज आप एक निश्चित अवधि तक कुम्भक न कर पाएँ अथवा एक निर्धारित संख्या तक प्राणायाम का अभ्यास न कर पाएँ। मात्र एक प्राणायाम में निपुणता प्राप्त करने में महीनों, कभी-कभी वर्षों का समय लग जाता है। यह तो निश्चित है कि हर अभ्यास के साथ आप प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हैं। किन्तु चूँकि आपको इसका प्रत्यक्ष आभास नहीं होता, आप यह समझ लेने की भूल कर बैठते हैं कि कुछ भी नहीं हो रहा है। याद रखिये कि प्रगति स्थूल और सूक्ष्म, दोनों तलों पर एक साथ होती है। आसन - प्राणायाम के लिये उपयुक्त आसन आवश्यक होता है। उचित आसन में बैठने से अभ्यास के दौरान आराम से श्वास लेने और शरीर को एक आरामदेह स्थिति में बनाए रखने में सहायता मिलती है। प्रारम्भिक अवस्था में ही प्राणायाम के साधक को बैठने की किसी एक स्थिति की क्षमता विकसित करनी चाहिए। आसन सिद्ध नहीं होने से अभ्यास में एकाग्रता और तकनीक, दोनों में व्यवधान होगा। प्राथमिक आवश्यकता अरामपूर्वक सीधे बैठने की है, ताकि श्वास का मुक्त, सुगम प्रवाह अवरुद्ध न हो तथा प्राण ऊर्जा सरलता से मुक्त हो। प्राणायाम में बैठने के अनेक आसन हैं।

स्थान - खुले कमरे में, जहाँ वायु का निर्बाध प्रवाह (किन्तु तेज झोंका नहीं) तथा स्वच्छता हो, वातावरण सुखद हो, प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। कभी दुर्गन्धियुक्त, धूल या धुँए वाले स्थान में अभ्यास न करें। यदि आप खुले स्थान में अभ्यास करें, तो यह अवश्य देख लें कि वहाँ पर्याप्त साफ-सफाई हो तथा कम-से-कम प्रदूषण हो। यदि स्थान एकान्त में, जनता से दूर, शोरगुल एवं बाधा रहित तथा स्वच्छ एवं सुखद हो, तो अभ्यास सही होगा। धूप अथवा तेज हवादार स्थान में अभ्यास से बचें। सुबह के समय बाल सूर्य की सुखद किरणें अवश्य लाभदायक होती हैं। किन्तु विलम्ब से अभ्यास शुरू किया जाय, तो प्रखर किरणें शरीर को जरूरत से अधिक गरम कर उसे नुकसान पहुँचा सकती हैं। अधिक ठण्डे अथवा तेज हवादार स्थान में अभ्यास करने से शीत लग सकती है और शरीर का निर्धारित तापमान बिगड़ने की अधिक संभावना होती है। प्राणायाम जैसे सूक्ष्म अनुकूलन लाने वाले अभ्यासों के समय अधिक ताप एवं तेज हवा से आन्तरिक सन्तुलन आसानी से गड़बड़ा सकता है।

आकाश भोपाल के ठाकुर आर्यमन सिंह की नीट यूजी 2025 में ऑल इंडिया रैंक 568

भोपाल। देशभर में परीक्षा की तैयारी कराने वाली अग्रणी संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने गर्वपूर्वक घोषणा की है कि भोपाल शाखा के 5 छात्रों ने नीट यूजी 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष रैंक प्राप्त की है। यह उत्कृष्ट उपलब्धि छात्रों की निष्ठा, शैक्षणिक अनुशासन और एइएसएल द्वारा प्रदान किए गए विश्वस्तरीय कोचिंग और मार्गदर्शन का परिणाम है। परीक्षा परिणाम कल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (द्वारा घोषित किए गए। भोपाल शाखा के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र हैं- ठाकुर आर्यमन सिंह - ऑल इंडिया रैंक 568 विशिष्ठा यादव - एआईआर 1709, आस्था चौधरी - एआईआर 2519, अनुष्ठा सिंह - एआईआर 2629, मनमीत कौर मोंगा - एआईआर 2900, ये छात्र एइएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित थे, जिसे विशेष रूप से नीट जैसी कठिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए तैयार किया गया है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय एइएसएल द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव, स्पष्ट वैचारिक समझ और नियमित एवं अनुशासित अध्ययन पद्धति को दिया। छात्रों ने कहा्हम आकाश के बेहद आभारी हैं, जिन्होंने हमारी इस यात्रा में हर कदम पर मार्गदर्शन किया। संगठित पाठ्यक्रम, विशेषज्ञ शिक्षकों की टीम और व्यक्तिगत मेंटरशिप ने जटिल विषयों को समझना आसान बना दिया। एइएसएल के बिना यह सफलता संभव नहीं थी।

फादर्स डे करें अपने पापा को समर्पित

भोपाल। माँ जीवन का स्रोत हैं, तो पापा जीवन की शक्ति। यह फादर्स डे पॉपकॉर्न और पापा के साथ लुत्फ उठाएं टाटा प्ले पर बेहतरीन फिल्में के, आपके पापा भावनाशील हों, खामोशी से आपका समर्थन करते हों, या पूरी तरह से फिल्मी पापा हों, इन फिल्मों में हर पापा के हर शक्सियत के लिए कुछ न कुछ है। अनकही भावनाओं से लेकर कभी ना भूलने वाले बलिदानों तक, टाटा प्ले बिंज आपके लिए लाया है, 30 से ज़्यादा ओटीटी प्लेटफॉर्म से ऐसी दमदार कहानियाँ, जो पापा और आपके रिश्ते को समर्पित हैं। पुराने घाव, अजीब सी बेचैन करने वाली खामोशी और दो जिद्दी बाप-बेटे की जोड़ी द मेहता बॉयज़ एक दूसरे से अलग हो चुके पापा और बेटे को दो दिन तक एक छत के नीचे लाते हैं, जहाँ होता है उनका भावनात्मक हिसाब-किताब। बोमन ईरानी के निर्देशन और अभिनय में बनी इस फिल्म में अविनाश तिवारी और श्रेया चौधरी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें दुख, प्यार, सीख की भावुक कहानी है। हर पापा के बलिदानों की कहानी, अंग्रेजी मीडियम में इरफान खान ने एक मिठाई-दुकान के मालिक का किरदार निभाया है। वो अपनी बेटी का विदेश में पढ़ने का सपना पूरा करने के लिए उसके साथ विदेश जाते हैं। यह हँसी से भरपूर भावुक फिल्म बिन माँ की बच्ची को पालने की जद्दोजहद दिखाती है। इसके निर्देशक होमी अदजानिया हैं।

सिंधी टैलेंट हंट में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा पुरस्कार देकर किया सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। वीना कला एवं सेवा समिति द्वारा साधु वासवानी स्कूल भवन में सिंधी टेलेंट हंट का आयोजन किया गया। जिसमे सिंधी भजन गीत, सिंधी डांस, सिंधी एक्टिंग से बच्चों ने मंत्रमुग्ध कर दिया। वीना कला एवं सेवा समिति के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम आयोजक राकेश शेवानी ने बताया फ़ाइनल राउंड में सिंगिंग में प्रथम पुरस्कार भावना ठाकुरानी 3100 रूपये, द्वितीय पुरस्कार भूमिका सबनानी 2100 रूपए, तृतीय पुरस्कार गोविन्द भगत टेवानी 1100 रूपये दिया गया।

वही एक्टिंग में प्रथम पुरस्कार कृष्ण आसवानी 3100 रूपये, द्वितीय पुरस्कार हिमांशी ठाकुरानी 2100 रूपये, तृतीय पुरस्कार लक्ष्य मूलचंदानी 1100 रुपये दिया गया। डांस में प्रथम पुरस्कार दिव्यांश इसरानी 3100 रूपये, द्वितीय पुरस्कार मान्य केवलानी को 2100 रूपये, तृतिय मिष्ठी खुशलानी को 1100 रूपये दिया गया। इन 9 बच्चों को शील्ड सर्टिफिकेट देकर भी सम्मानित किया गया। इसके अलावा भाग लेने वाले अन्य बच्चों को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट दिया गया। निर्णयक की भूमिका में अशोक बुलानी, दिलीप लालवानी, परसो नाथानी, नरेश गिड़वानी, आर,के गिड़वानी, महक भरवानी, ज्योति चावला, कल्पना चांदनी, हर्षा मूलचंदनी, सरिता ख्यानी, विजय ज्ञानचांदनी उपस्थित थे।

भोपाल सांची रथ ने स्प्रिंग वैली सोसाइटी, कटारा हिल्स में की दूध एवं दुग्ध उत्पादों की जांच की

20 नमूने पाए गए अमानक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सांची रथ को इस उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है कि भोपाल शहर की विभिन्न कॉलोनियों में जाकर उपभोक्ताओं द्वारा प्रतिदिन उपयोग में लाए जाने वाले दूध, दही, पनीर, घी आदि दुग्ध उत्पादों की शुद्धता की जांच उनके समक्ष की जा सके। इस प्रयोगशाला में नवीनतम उपकरणों द्वारा तत्काल परीक्षण किया जाता है, जिसकी रिपोर्ट उपभोक्ताओं को मोबाइल व व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी जाती है। यह अभियान ÷दूध का दूध ङ्क पानी का पानी÷ के नाम से चलाया जा रहा है।

रविवार 15 जून को सांची रथ ने स्प्रिंग वैली सोसायटी, कटारा हिल्स का दौरा किया, जहाँ कुल 55 सैंपलों की जांच की गई। इन सैंपलों में से 20 सैंपल असमानक पाए गए, जो कि खुले दूध के थे। इनमें से 17 सैंपलों में पानी की मिलावट, 2 में स्टार्च, और 1 सैंपल में सुक्रोज की मिलावट पाई गई। इस प्रकार की मिलावट उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक हो सकती है।

भोपाल दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रीतेश जोशी ने उपभोक्ताओं से अपील की कि उपभोक्ताओं को खुले दूध के स्थान पर ब्रांडेड, पैकेज्ड एवं पाश्चुरीकृत दूध को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि खुले दूध में पानी की मिलावट जैसी समस्याएं आम होती जा रही हैं। यदि यह मिलाया गया पानी अशुद्ध या दूषित स्रोत से है, तो यह विशेष रूप से छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं रोगियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि कई उपभोक्ताओं ने इस बात की सराहना की है कि अब उन्हें अपने दूध की शुद्धता की जांच अपने घर के पास ही करने का अवसर मिल रहा है। यह पहल उपभोक्ताओं में न केवल जागरूकता लाएगी, बल्कि मिलावट करने वालों पर भी प्रभावी रोक लगाएगी।

।। संसार के सुखों का छल ।।

संसार में नाना प्रकार के सुख साधन भले कितने अच्छे दिखते हों, किंतु अंत में उनका परिणाम दुख ही है। संसार की चका चौंध में छल ही छल भरा है। झूठी प्रतिष्ठा जीव के दुख का प्रमुख कारण है, जिसे हम जीवन से अधिक महत्त्व देते हैं। जैसे कोई वस्तु या विषय, जिसे हम अपने लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण मानने लगते हैं और प्राय-वही हमारे जीवन में दुख का कारण बनता है। यह मोह और आसक्ति ही है जो हमें सत्य से दूर ले जाती है। सच्चा सुख तो मन की शांति और आत्मज्ञान में ही निहित है।

जन्म दिन मनाया

दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी और नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी का जन्म दिवस आज बड़े ही धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 26 टैगोर मंडल के अध्यक्ष गोविंद कहारे मित्र मंडली द्वारा किशन सूर्यवंशी का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर किसान सूर्यवंशी ने आभार व्यक्त किया और गोविंद को अपने हाथों से केक खिलाकर जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी गोविंद ने अपने सभी साथियों की तरफ से नगर निगम अध्यक्ष किसान सूर्यवंशी को जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी इस अवसर पर अनिल मंडराई और भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

बीएएड सेमेस्टर की आज परीक्षा होने के चलते दश्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज कोलार में सुबह 7बजे से लम्बी लाइन लगना शुरू हो गई थी। पेपर का समय सुबह 9 बजे था।

एक पेड़ मां के नाम अपने जन्मदिन पर लगाया, 5000 पेड़ लगाने का लक्ष्य

भोपाल। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के यशस्वी प्रांत अध्यक्ष एवं अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के संयोजक कर्मयोगी कर्मचारी जगत के पुरोधा महेंद्र शर्मा के अवतरण दिवस पर प्रदेश के सभी 55 जिलों तहसील और ब्लॉकों में एक पेड़ मां के नाम लगाया जा रहा है इसी क्रम में भोपाल में भी 74 बंगला स्थित पार्क के पास भोपाल जिले के कार्यकर्ताओं ने पांच पेड़ लगाने का कार्यक्रम किया है इसका मुख्य उद्देश्य है कि आने वाले समय में पर्यावरण को बचाना है और आज के प्रदूषण को लेकर प्रदेश और देश के लोगों को शुद्ध हवा मिले शुद्ध ऑक्सीजन मिले और सुख जीवन की प्राप्ति हो मध्य प्रदेश लोक वेतन कर्मचारी संघ के आज के वृक्षारोपण कार्यक्रम में संघ के जिला अध्यक्ष राम कुंडल सेल क्रांति सचिव दिनकर राव लोक निर्माण

विभाग के संयोजक प्रमोद उपाध्याय स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष पंकज संगत जनसंपर्क विभाग के अध्यक्ष राम सिंह के नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष हीरालाल साहू कृषि कल्याण विकास के अध्यक्ष गोविंद दास मेहरा के साथ-साथ अनेक कार्य करता है पदाधिकारी उपस्थित रहे

बाल संत समागम संपन्न, बच्चों ने दी आकर्षक भक्तिमय प्रस्तुतियां

संत हिरदाराम नगर। सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के पावन आशीर्वाद से निरंकारी मिशन के भोपाल जोन 24 ए, में 'तंग दायरों की तोड़ दीवार-असीम की ओर हो विस्तार' शीर्षक पर आधारित जोन स्तरीय बाल संत समागम गुडग़ांव से पधारे महात्मा नवीन कुमार भाषी की उपस्थिति में संत निरंकारी सत्संग संपन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने ने कहा कि बच्चों के जीवन में आध्यात्मिक चेतना का महत्वपूर्ण स्थान है। जिस प्रकार से एक नन्हें से पौधे के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाकर उसे सुरक्षित रखा जाता है, जिससे उस पौधे को कोई नुकसान न पहुंचा सके। समय बीतने के साथ वह पौधा जब पेड़ का रूप धारण कर लेता है तो उसी पेड़ से मीठे मीठे फलों के साथ ठंडी छांव भी ली जा सकती है। ठीक उसी प्रकार अगर बच्चों को बचपन से ही आध्यात्मिक चेतना की देख-रेख में रखा जाये तो वही बच्चा आगे चलकर एक गुरसिख के रूप में निखरकर सामने आता है और उसके जीवन पर दुनिया में व्याप्त माया, मानसिक कुरीतियों, बुराइयों का कोई असर नहीं पड़ता है। बाल संत समागम में बच्चों द्वारा आकर्षक भक्तिमय प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान बड़ी संख्या में निरंकारी बाल संतों द्वारा नृत्य, नाटक और विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन कर भक्तिमय वातावरण निर्मित किया गया। बाल संतो ने समागम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं को 'तंग दायरों की तोड़ दीवार - असीम की ओर हो विस्तार' का संदेश देते हुए नृत्य, नाटक का भी अभिनय कर निरंकारी मिशन की गतिविधियों से अवगत कराया।

कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास की सौगात

8 नए वर्किंग वूमेन हॉस्टल को मिली मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की कामकाजी महिलाओं के लिये वर्किंग वुमेन हॉस्टल की सौगात दी है। भारत सरकार की स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंट ऑफ स्टेटस फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2024-25 के अंतर्गत 8 वर्किंग वूमेन हॉस्टल की स्वीकृति प्रदान की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि योजना अंतर्गत महिला श्रम बल भागीदारी दर (फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट) को बढ़ाने और महिलाओं के जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में 8 वर्किंग वूमेन हॉस्टल की स्वीकृति प्रदान की गई है जिसमें से महिला बाल विकास विभाग द्वारा 4 वर्किंग वूमेन हॉस्टल और शेष 4 हॉस्टल औद्योगिक नीति निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा बनाये जायेंगे।

289 करोड़ रूपये की स्वीकृति हुई जारीः मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि महिला बाल विकास विभाग द्वारा देवास, नर्मदापुरम और सिंगरौली में 100 सीटर तथा झाबुआ में 50 सीटर हॉस्टल बनाये जायेंगे। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा उज्जैन में 1554 सीटर, धार में 1776, रायसेन 776 और भिण्ड में 666 सीटर हॉस्टल का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वर्किंग वूमेन हॉस्टल के निर्माण के लिये 289.72 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से 40.59 करोड़ की राशि महिला बाल विकास विभाग व्यय करेगी। वर्किंग वूमेन हॉस्टल का स्वामित्व राज्य सरकार के पास रहेगा और रख-रखाव का काम पीपीपी मोड पर किया जायेगा।

हॉस्टल में होंगी आधुनिक सुविधाएँ: वर्किंग वूमेन हॉस्टल में आधुनिक सुविधाओं सहित डे केयर सेंटर, जिम, इंडोर स्पोर्टस, लायब्रेरी, वाय-फाई, पर्याप्त पार्किंग, फूड कोर्ट और मनोरंजन गतिविधियां आदि उपलब्ध होंगी। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराये जा रहे हैं, जिससे कामकाजी महिलाओं का जीवन आसान होगा। विशेष रूप से जनजातीय एवं औद्योगिक क्षेत्रों में महिला श्रमिकों की आवास जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह योजना क्रांतिकारी सिद्ध होगी।

अंतत: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ढूंढ़ लिए अपने चार नए मंत्री!

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मंत्रिमंडल में फेरबदल कभी भी हो सकता है। इसके लिए कवायद अंतिम चरण में है। विधानसभा की सदस्य संख्या के लिहाज से मंत्रिमंडल में कुल 35 सदस्य हो सकते हैं। वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ यादव सहित 31 सदस्य हैं। इस लिहाज से 4 नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है। खबर है कि डॉयादव ने नेतृत्व के साथ चर्चाके बाद ये 4 नए चेहरे ढूंढ़ लिए हैं। इनमें पहले नंबर पर हैं 9 बार से लगातार विधायक पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव। दूसरे नंबर पर छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा सीट से विधायक कमलेश शाह का नाम है। शाह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के खास रहे हैं। इन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस से तोड़ कर लाया गया था। शाह पहले ऐसे विधायक थे जिन्होंने कांग्रेस छोड़ने के साथ सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और उप चुनाव जीत कर विधायक बने थे। इन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का आश्वासन मिला था लेकिन अब तक इंतजार ही कर रहे हैं। तीसरे नंबर पर हैं भोपाल की हुजूर सीट से विधायक कट्टर हिंदू नेता की छवि वाले रामेश्वर शर्मा। इनका मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना तय माना जा रहा हैं। अंतिम नाम पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस का है। देवी अहिल्याबाई की जन्म शताब्दी के कारण नारी शक्ति के तौर पर चिटनीस को जगह मिल सकती है। बस मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार किया जा रहा है। कहावत है, दवा जितनी कड़वी हो, इलाज में उतनी ही ज्यादा कारगर होती है। भाजपा के दिग्गज नेता प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी कुछ इसी तरह के हैं। वे बोलते हैं तो लगता है कि कड़वी बात कह गए। एक तबका उनकी आलोचना करने लगता है जबकि उनकी बात सच और पते की होती है। उनके दो बयान इन दिनों खास चर्चा में हैं। पहले बयान में उन्होंने कहा था कि कम और छोटे कपड़े पहनने वाली लड़कियां, महिलाएं उन्हें पसंद नहीं। इस पर एक वर्ग उनकी आलोचना करने मैदान में उतर आया। कांग्रेस ने यहां तक आरोप जड़ दिया कि कैलाश महिलाओं के कपड़े देखते रहते हैं जबकि उनकी बात गलत नहीं थी। कम और छोटे कपड़े पहनने के कारण कईवारदातें हो जाती हैं। इसे यह कह खारिज नहीं किया जा सकता कि जिसकी जो मर्जी पहनेगा, कोई इस बारे में नसीहत नहीं दे सकता। आखिर पहनावा भी संस्कार से जुड़ा होता है। दूसरी बात उन्होंने पति राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल सोनम को लेकर कही। कैलाश ने कहा कि लड़कियों के लिए सिर्फ शिक्षा ही जरूरी नहीं, इससे भी ज्यादा जरूरी हैं संस्कार वर्नालड़कियां सोनम बन जाती हैं। इसलिए एक रोटी कम खाना पर बच्चियों को संस्कार जरूर अच्छे देना। शिक्षा दे दी और संस्कार नहीं दिए तो वह पशु बन जाते हैं, पाशविक जिंदगी जीते हैं। उनकी इस बात में भी दम है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित भाजपा का हर प्रमुख नेता कह रहा है

कि पचमढ़ी में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग पार्टी की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है जबकि इसे पार्टी नेताओं द्वारा की गई विवादित बयानबाजी से जोड़कर देखा जा रहा है। इनके बयानों के कारण भाजपा नेतृत्व असहज रहा है। विवादित बयान देने वाले नेताओं को प्रदेश भाजपा मुख्यालय बुलाकर नसीहत दी जा चुकी है। कुछ ने माफी मांग ली थी जबकि एक विधायक प्रीतम लोधी ने कह दिया था कि उन पर ज्यादा दबाव बनाया गया तो वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर अपना पक्ष रखेंगे। पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह और मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का विवाद लंबे समय तक सार्वजनिक रहा, पार्टीनेतृत्व इसे नहीं सुलझा सका। सबसे विवादित बयान मंत्री विजय शाह और उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का रहा। दोनों ने भारतीय सेना को लेकर आपत्तिजनक भाषा बोली। विजय शाह का मामला तो सुप्रीम कोर्टमें विचाराधीन है। छिंदवाड़ा के सांसद बंटी साहू पार्टीके मंडल अध्यक्षों से ऐसे पैर धुलवाते नजर आ गए जैसे वे कोई महामंडलेश्वर हों। यह आचरण पार्टीसिद्धांतों के विपरीत है। राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल पहले अपने बेटे और बाद में ग्वालियर में एक रेस्टोरेंट में हुए विवाद को लेकर चर्चा में रहे हैं। इसीलिए यह वर्ग तभी सार्थक सिद्ध होगा जब भाजपा के ऐसे नेता सुधर जाएं। भाजपा के सांसद, विधायक, मंत्री और पार्टीपदाधिकारी सुशासन का पाठ पढ़ने पचमढ़ी प्रशिक्षण वर्गमें हिस्सा लेने गए हैं। यहां सभी को आचरण और व्यवहार का पाठ भी पढ़ाया जा रहा है। यह भी सिखाया जा रहा हैकि कम से कम सत्तारूढ़ दल के किसी नेता और मंत्री को नियम कायदे नहीं तोड़ना चाहिए। लेकिन इस मंशा के उलट यदि सरकार के मंत्री ही नियमों की धज्जियां उड़ाने लग जाएं तब क्या कहेंगे वह भी पचमढ़ी में जहां सभी को भाजपा के अलग चाल, चरित्र और चेहरे को बनाए रखने की सीख दी जा रही है। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करने वाले थे। उनके आने में कुछ समय था तो केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक ने एक कार्यकर्ता के साथ बाहर घूमने का प्लान बना लिया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ता से बाइक निकलवाई, पीछे बैठे और हसीन वादियों का आनंद लेने के लिए निकल पड़े। लेकिन मंत्री जी और कार्यकर्ता यातायात नियमों का पालन करना भूल गए। बिना हेलमेट लगाए ही पचमढ़ी की सुहानी वादियों का मजा लेने निकल पड़े। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। सवाल यह है कि क्या एक केंद्रीय मंत्री को प्रशिक्षण वर्ग के दौरान इस तरह यातायान नियमों को तोड़ना चाहिए। मंत्री ही ऐसा करेंगे तो आम लोगों तक क्या मैसेज पहुंचेगा। प्रशिक्षण वर्ग में ऐसे मसलों पर भी विचार होना चाहिए। दिग्विजय सिंह के अनुज वरिष्ठनेता लक्ष्मण सिंह को जिस बयान के कारण कांग्रेस से 6 साल के लिए बाहर किया गया है। उसे पढ़ कर कोईभी कह सकता हैकि उन्होंने खुद अनुशासन की लक्ष्मण रेखा लांघी और पार्टीनेतृत्व को कार्रवाईके लिए मजबूर किया।

पहलगाम की आतंकी घटना के बाद दिए बयान में उन्होंने राहुल गांधी, राबर्ट वाड्रा और उमर अब्दुल्ला को घेरा ही नहीं, यह भी कहा कि मुझे पार्टीसे निकालना है तो आज ही निकाल दें। उमर अब्दुल्ला और राबर्ट वाड्रा को ही लपेटे में लेते तो शायद माफी मिल जाती। लेकिन राहुल को भी नहीं बख्शा, इसलिए कार्रवाई तो होना ही थी। बयान से साफ था कि लक्ष्मण खुद पार्टीसे बाहर होना चाहते थे। अब जब कार्रवाईहो गईतब भी वे गांधी परिवार पर आगबबूला होकर हमलावर हैं। उनके खिलाफ कुछ भी बोल रहे हैं। इसीलिए उन्हें ज्यादा तवज्जो नहीं मिल रही। वे कह रहे हैं कि मुझसे कहा गया था कि मैं कह दूं कि राहुल गांधी भविष्य में प्रधानमंत्री बनेंगे लेकिन नहीं कहा तो कार्रवाईहो गई। लक्ष्मण से यह किस नेता ने कहा, उसका नाम उन्होंने नहीं बताया।

देश व किसान हितैशी नीति के खिलाफ है नीति आयोग के सुझाव: किसान संघ

भोपाल। नीति आयोग ने भारत और अमेरिका के बीच कृषि व्यापार बढ़ाने की दृष्टि से एक वर्किंग पेपर जारी कर कुछ सिफारिशे की हैं। नीति आयोग ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के तहत भारत को चावल, काली मिर्च, सोयाबीन तेल, झींगा, चाय, कॉफी, डेयरी उत्पाद, पोल्ट्री, सेब, बादाम, पिस्ता, मक्का और आनुवंशिक रूप से परिवर्तित सोया उत्पादों के लिए अपना बाजार खोल देना चाहिए। जिसको लेकर देश के सबसे बड़े किसान संगठन भारतीय किसान संघ को आशंका है कि ऐसा करना कृषि पर निर्भर 70 करोड़ भारतीयों के लिए जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेन्द्र सिंह पटेल द्वारा जारी विज्ञप्ति में अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि अमेरिका के साथ टेरिफ लड़ाई में नीति आयोग क्यो घुटने टेक रहा है। जब सरकार देश को तिलहन में स्वावलंबी बनाने की तैयारी में हैं, तब खाद्य तेल के आयात शुल्क में कमी करना अपने आप में एक विरोधाभासी निर्णय है। श्री मिश्र ने देश व किसान हितैशी नीति के खिलाफ नीति आयोग के सुझावों पर ऐतराज जताते हुये कहा कि नीति आयोग के सलाहकार अपनी सिफारिशों पर पुनर्विचार करते हुए सरकार की स्वावलंबन नीति के आधार पर आगे बढ़ने की तैयारी

करे और किसान हितैशी विषयों को प्राथमिकता दें। श्री मिश्र ने सवाल खड़े करते हुये कहा कि जी.एम. (सोया व मक्का) के आयात के पक्ष में सुझाव देनें का तर्क समझ से परे है। सर्वविदित है कि अमेरिका में जी.एम. सोया एवं मक्का दोनों को पशु खाद्य के रूप में उपयोग कर, कुछ मात्रा में इससे ईथेनॉल बनाया जाता है। ऐसे में इस उपज को भारत में आयात करने का सुझाव क्यों दिया है? श्री मिश्र ने आगे कहा कि देश में जब खाद्य संबंधी आयातित सामग्री के साथ नॉन जी.एम. सोर्स एवं नॉन जी.एम. सर्टिफिकेट जरूरी है, तब नीति आयोग के ये सुझाव कई गंभीर प्रश्न खड़े करते है।

सरकार ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य लेकर नीति बनाई थी और रिपोर्ट के मुताबिक हम 18.5 प्रतिशत इथेनॉल मिला चुके हैं। ऐसे में हम देश के किसानों से पैदा मक्का व गन्ना छोड़कर अमेरिकी जीएम मक्का को आयात करने का सुझाव किसान हितों के साथ टकराव दिखाता है। नीति आयोग के ऐसे अनीतिपूर्ण सुझावों में तुरंत सुधार होना चाहिये। महामंत्री श्री मिश्र ने कहा कि यदि नीति आयोग अमेरिकी टेरिफ वार में अपने को अक्षम मानता है तो उन्हें भारत के किसानों से सहायता मांगना चाहिए। भारत के छोटे-छोटे मेहनतकश किसान हिम्मत के साथ इन समस्याओं को सुलझाने का सामर्थ्य रखते है। जबकि बगैर जी.एम. के ही अभी तक हम सभी फसलों का आवश्यकता से अधिक उत्पादन कर चुके हैं। दलहन-तिलहन में सरकार की नीति साथ दें तो भारत को स्वावलंबी बनाने के लिए देश का किसान तैयार है। ऐसी स्थिति में किसी के दबाव में नीति आयोग का झुकना भारत के लिए अच्छा नहीं है।

भारतीय किसान संघ के महामंत्री श्री मिश्र ने बताया कि जब वर्ष 2018 में वाणिज्य मंत्रालय के अंतर्गत देश में पहली बार एक कृषि निर्यात नीति बन रही थी। जिसमें दुनियाभर में स्थित भारत के दूतावासों में एक सुरक्षित टेबल स्थापित कर, सिर्फ कृषि व्यापार बाजार की इंण्टेलीजेंस के बारे में जानकारी एकत्र कर भारत से निर्यात की व्यवस्था बनाये जाने की बात कही गई थी। इस दिशा में नीति आयोग क्यों नहीं आगे बढ़ रहा है?

आरटीई प्रवेश प्रक्रिया का दूसरा चरण आज से

भोपाल। प्रदेश में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश का दूसरा चरण 16 जून सोमवार से शुरू होगा। प्रथम चरण के बाद जिन स्कूलों में सीटें रिक्त रह गई हैं, उन स्कूलों में रिक्त सीटों की जानकारी द्वितीय चरण प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित की गई है। आवेदकों द्वारा स्कूलों के च्वाइस को अपडेट किये जाने का कार्य 20 जून तक किया जा सकेगा।

द्वितीय चरण के लिए ऑनलाइन लाटरी 25 जून 2025 को होगी। आवंटन के बाद स्कूल में प्रवेश एवं संबंधित स्कूल द्वारा मोबाइल ऐप से एडमीशन रिपोर्टिंग 25 जून से 30 जून 2025 तक की जा सकेगी। द्वितीय चरण के लिए नवीन आवेदन पंजीयन नहीं होगा और पुन सत्यापन प्रक्रिया भी नहीं होगी। वह आवेदक जिन्होंने प्रथम चरण में आवेदन किया था और सत्यापन के बाद पात्र पाए गए थे, उनका प्रथम चरण में कोई स्कूल आवंटित नहीं हुआ था वह द्वितीय चरण के लिए स्कूल की च्वाइस अपडेट कर सकते हैं। जिन आवेदकों को प्रथम चरण में स्कूल आवंटन हुआ है, लेकिन स्कूल पसंद नहीं आने के कारण आवंटित स्कूल में एडमीशन नहीं लिया है, वह द्वितीय चरण में च्वाइस अपडेट कर सकते हैं।

विसबल दक्षिणी जोन की अंतरजिला खेल प्रतियोगिता, भोपाल में जुटेंगे 500 से अधिक खिलाड़ी, 9 इकाइयों के जवान दिखाएंगे दमखम

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस की स्पेशल आर्म्ड फोर्स की अंतरजिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन इस बार राजधानी भोपाल में किया जा रहा है। विसबल दक्षिणी जोन स्तर की अंत वाहिनी/अंतरजिला क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ आज 16 जून से होगा, जो 19 जून 2025 तक चलेगी।

इस भव्य आयोजन की मेजबानी 7वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल भोपाल कर रही है। मुकाबले राजधानी के टीटी नगर स्टेडियम और लाल परेड ग्राउंड में आयोजित किए जाएंगे।

प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह आज शाम 5 बजे टीटी नगर स्टेडियम में होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अभय सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, विसबल रेंज भोपाल मौजूद रहेंगे। अन्य प्रमुख अधिकारी जो इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे, उनमें पुलिस महानिरीक्षक भोपाल इरशाद वली, उप पुलिस महानिरीक्षक यूसुफ कुरैशी, सेनानी 23वीं वाहिनी कुमार प्रतीक एवं सेनानी 25वीं वाहिनी नागेन्द्र सिंह प्रमुख हैं।

9 वाहिनियों के जवान दिखाएंगे खेलों में दमखम– इस खेल महाकुंभ में विसबल की कुल 9 वाहिनियां भाग ले रही हैं, इसमें 6वीं जबलपुर, 7वीं भोपाल, 8वीं छिंदवाड़ा, 9वीं रीवा, 10वीं सागर, 23वीं भोपाल, 25वीं भोपाल, 35वीं मंडला और 36वीं बालाघाट। इनसे जुड़े करीब 500 जवान विभिन्न खेल विधाओं में अपना हुनर दिखाएंगे।

इन खेलों में होगी कड़ी टक्कर– प्रतियोगिता में हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कुश्ती, कबड्डी, हैंडबॉल, सेपक टेकरा, जूडो, वेटलिफ्टिंग, पावरलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, और दौड़ व लांग-जम्प, हाई-जम्प, ट्रिपल जम्प जैसे एथलेटिक्स स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

राज्यस्तरीय खेलों में मिलेगा प्रवेश– इस ज़ोनल प्रतियोगिता के ज़रिए चयनित खिलाड़ियों को आगामी 56वीं मध्यप्रदेश पुलिस राज्य स्तरीय वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। आयोजन का समापन समारोह 19 जून को होगा। सेनानी हितेश चौधरी ने बताया कि खेल पुलिस बल के जवानों के लिए न केवल शारीरिक चुस्ती का माध्यम है, बल्कि यह मानसिक तनाव को दूर कर उनमें टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व जैसे गुणों का भी विकास करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन पुलिसकर्मियों के लिए जीवन में ऊर्जा के संचार का कार्य करते हैं।

4.74 करोड़ हितग्राहियों की ई-केवायसी पूर्ण: खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि मध्यप्रदेश में अति शीघ्र स्मार्ट पीडीएस व्यवस्था लागू की जानी है। इसके लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (हस्स्र्र) अंतर्गत राशन सामग्री प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की ई-केवायसी शत-प्रतिशत पूर्ण कराया जाना है। फरवरी 2025 से ई-केवायसी के लिये चलाये जा रहे अभियान में 1 करोड़ 11 लाख हितग्राहियों की ई-केवाईसी करायी गयी है। साथ ही प्रदेश के कुल 5.32 करोड़ हितग्राहियों में से 4.74 करोड़ हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूर्ण हो गयी है। यह मध्यप्रदेश के कुल हितग्राहियों का 89त्न है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि मध्यप्रदेश में ई-केवायसी से शेष 54.8 लाख पात्र हितग्राहियों का भी ई-केवाईसी जून माह में किया जाना है। इन हितग्राहियों की ई-केवायसी जून माह में पूर्ण कराने के लिये पूरे प्रदेश में ग्राम एवं वार्ड स्तर पर शिविर लगाकर ई-केवायसी करने के निर्देश समस्त कलेक्टर्स को जारी किये गये हैं। अभियान के विषय में अपर मुख्य सचिव खाद्य श्रीमती रश्मि अरूण शमी

द्वारा प्रदेश के सभी संभागायुक्त एवं जिला कलेक्टर्स को अभियान को प्राथमिकता में लेकर ई-केवायसी के लिये सभी आवश्यक प्रयास करने के लिये निर्देशित किया गया है। हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन पर ई-केवायसी की सुविधा भी उपलब्ध करायी गयी है। इसके लिए मध्यप्रदेश के हितग्राहियों के लिए मेरा ई-केवायसी एप प्रदेश में लांच किया गया है। इस एप के माध्यम से राशन लेने वाले वृद्ध, दिव्यांग, छोटे बच्चे आदि कोई भी हितग्राही किसी भी एन्ड्राईड मोबाईल फोन से अपना व अपने परिवारजनों का आधार नम्बर व ओटीपी दर्ज करके घर बैठे ई-केवायसी कर सकते हैं। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने प्रदेश के सभी राशन लेने वाले हितग्राही, जिन्होंने अभी तक ई-केवायसी नहीं करवाई है, उन सभी से अपील की है कि मोबाईल फोन अथवा पीओएस मशीन से अतिशीघ्र अपनी व अपने परिवारजनों की शतप्रतिशत ई-केवायसी पूर्ण करायें। इससे आप सभी को राशन प्राप्त करने में सुविधा होगी।

भारत में दुनिया की सबसे दक्ष जांच एजेंसी ISMIA

दुनियाँ की सबसे तेज तर्रार और खूंखार (खूंखार इसलिए कह रहा कि ये पल भर में किसी भी देश को नेस्तनाबूद करने की ताकत से युक्त है) जांच एजेंसी ISMIA अभी पहलगांव हमले की जाँच कर ही रही थी की उसे पाकिस्तान का धरती से नामोनिशान मिटा देने का काम मिल गया। इस खुफ़िया एजेंसी के जाम्बाजों ने बेहद सटीक और मारक प्लान तैयार किया और उतनी ही दक्षता से इसे एकजिक्यूट करते हुए रातों -रात लाहौर, कराँची को पाकिस्तान के नक़्शे से सदा -सर्वदा के लिए गायब कर दिया। वो तो पाकिस्तान का नाम ही धरती से मिटा देने पर आमदा थे और कर भी देते पर तभी ट्रंप साहब की गुजारिश पर सीज फायर का एलान हो गया और पाकिस्तान बच गया। यहाँ आपको बताते चले की इस एजेंसी की मंशा तो चीन को भी जमींदोज कर देने की है बस ऐसा कर देने की जिम्मेदारी अभी इन्हें मिली नहीं है।

हाँ तो भारत -पाक सीजफायर के कारण अपना काम अधूरा छोड़ ये एजेंसी अभी सुस्ता ही रही थी की इंदौर के नवविवाहित कपल सोनम -राज के मेघालय की दुर्गम पहाड़ियों से गायब होने की ख़बर आ गई। एजेंसी फिर हरकत में थी, ज़रा कल्पना कीजिए सुदूर पहाडो में निर्जन स्थान पर घटी घटना का उन्होंने पलक झपकते ही खुलासा कर दिया और बांग्लादेश से भारत में घुस कर सोनम का अपहरण कर वापस बांगलादेश भागे अपराधियों की पहचान कर ली। वो बांग्लादेश को दुनियां के नक़्शे से मिटाने ही वाले थे कि सोनम ज़ी ने गाजीपुर से पुकार लगाई -

कैसी सरहदें
कैसी मजबूरियां
मैं यहाँ हूँ यहाँ हूँ यहाँ हूँ यहाँ

अभी ये एजेंसी बांग्लादेश से लौट कर सोनम के खानदान से पूछताछ करने ही वाली थी कि कल अहमदाबाद में बड़ा प्लेन हादसा हो गया। सुनने में आ रहा है कि एजेंसी ने अहमदाबाद प्लेन हादसे पर स्वत-संज्ञान लेते हुए कहा की ÷भाड़ में जाए सोनम÷ हमें पहले बोइंग्र ढ्व 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की जाँच करनी है। इस एजेंसी की शातिर टीम ने दुर्घटना के चंद घंटो बाद ही पता लगा लिया की जहाज के कार्बोरेटर से इंजन तक तेल पहुंचाने वाले पाईप पर लगी घूंडी खोली नहीं गई थी अत-जब तक पाईप में तेल था जहाज उड़ा तेल ख़त्म होने के बाद जहाज नीचे आ गया। अब एजेंसी ये पता लगा रही है कि ये तेल प्रवाह को रोकने और जारी करने वाली घूंडी किसने नहीं खोली?

ISMIA (INDIAN SOCIAL MEDIA INVESTIGATION AGENCY)

32 लाख श्रमिकों को मिला रोजगार और 1500 करोड़ की मजदूरी का किया भुगतान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गरीब, महिला, किसान और युवाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के विजन को साकार करने के लिये देशभर में अभियान चलाया जा रहा है। राज्य सरकार इस अभियान को मिशन मोड में संचालित कर रही है। प्रदेश में कमजोर वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें मनरेगा योजना गरीबों किसानों और श्रमिकों की आर्थिक समृद्धि का आधार बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इस योजना के माध्यम से न सिर्फ गरीब, श्रमिकों और किसानों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला रहा है, बल्कि सिंचाई की उपलब्धता भी बन रही है। योजना के अंतर्गत खेत-तालाब, अमृत-सरोवर, कुएं, चेक-डैम, भूमि समतलीकरण, मेड़बंदी, बागवानी, जल निकायों का निर्माण, जीर्णोद्धार और वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण सहित जल संचयन के अन्य निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। मनरेगा योजना से जल गंगा संवर्धन अभियान में अब तक प्रदेश के 32 लाख लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2025-26 में मजदूरों को अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया है।

22 लाख परिवारों को मिला लाभ

ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में निवासरत लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिले, इसके लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा मनरेगा योजना चलाई जा रही है। मनरेगा योजना में लोगों को स्थानीय स्तर पर 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश में अप्रैल माह से अब तक 22 लाख परिवारों के 32 लाख लोगों को मनरेगा योजना का लाभ मिला है।

वृहद स्तर पर जल संरचना के कार्य

प्रदेश में बारिश के पानी का बड़े स्तर पर संचयन किया जा सके, लोगों को रोजगार मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश में बड़े स्तर पर जल संरचना के कार्य किए जा रहे है। 14 जून की स्थिति में प्रदेश में 80 हजार 496 खेत तालाब, एक लाख एक हजार 61 कूप रिचार्ज पिट और एक हजार 283 अमृत सरोवरों का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिल रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान कारगर

प्रदेश सरकार द्वारा तीन माह के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। वह भी ऐसे समय में जब खेती-किसानी का समय नहीं रहता है। किसानों, गरीबों और श्रमिकों को रोजगार की तलाश रहती है। ऐसे में जल गंगा संवर्धन अभियान कारगर साबित हुआ है। मनरेगा के तहत स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला। जिससे काम की तलाश में दूसरे राज्यों या जिलों में नहीं जाना पड़ा। साथ ही लोगों के पलायन में भी कमी आई।

खेती-किसानी में बनी मददगार

मनरेगा योजना से मिलने वाली मजदूरी श्रमिकों-किसानों-गरीबों के लिए केवल रोज़गार का साधन नहीं, बल्कि खेती-किसानी, घरेलू ज़रूरतों और बच्चों की शिक्षा जैसी आवश्यकताओं को पूरा करने में भी मददगार बन रही है। योजना के माध्यम से खेत-तालाब, अमृत सरोवर, कूप रिचार्ज पिट, सड़कों का सुधार, वर्षा जल संचयन सहित अन्य विकास कार्य किए जा रहे हैं, जो ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मज़बूत बना रहे हैं।

सांदीपनि स्कूल की प्राचार्य पर दबाव बनाकर स्थानांतरण कराने का आरोप, सौंपा ज्ञापन

भोपाल। बरखेड़ा स्थित शासकीय सीएम राइज महात्मा गांधी सांदीपनि स्कूल की प्राचार्या पर कुछ नेताओं द्वारा दबाव बनाकर स्थानांतरण कराने का आरोप लगाते हुए एक ज्ञापन लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त को सौंपा गया। इस ज्ञापन में कहा गया है कि भोपाल के शासकीय सीएम राइज महात्मा गांधी सांदीपनि स्कूल में चल रही निष्पक्ष प्रवेश प्रक्रिया को बाधित करने का गंभीर प्रयास किया गया। स्कूल की प्राचार्या हेमलता परिहार ने नियमों का पालन करते हुए कुछ अभ्यर्थियों का प्रवेश नहीं दिया, क्योंकि वे निर्धारित योग्यता एवं मापदंडों पर खरे नहीं उतरते थे।

इस तथ्य से असंतुष्ट होकर कुछ स्थानीय भाजपा के मंत्रियों और नेताओं ने प्राचार्या पर दबाव बनाना शुरू किया कि वे नियमों को दरकिनार कर उन छात्रों को प्रवेश दें। जब प्राचार्या ने अपने कर्तव्य एवं नियमों के अनुसार कार्य करने से इनकार किया, तो उन पर राजनीतिक दबाव डाला गया, और अंततः उनका स्थानांतरण कर दिया गया। यह घटना न केवल शिक्षा व्यवस्था में राजनीतिक हस्तक्षेप को दर्शाती है, बल्कि एक ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार भी है। इस प्रकार की कार्यप्रणाली की कड़ी निंदा करते हैं और मांग करते हैं कि इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए। प्राचार्या के स्थानांतरण आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। दोषी नेताओं पर अनुशासनात्मक वैधानिक कार्रवाई की जाए, जिससे भविष्य में कोई शिक्षक/अधिकारी अपने कर्तव्यों के पालन में डर महसूस न करे। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रकाश चौकसे जिला श्रमिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष एवं समस्त कांग्रेस जन और लोकेन्द्र शेखावत, सईद शाहिद अलि, बी. डी शुक्ल्वारे, दशील प्रजापति, तीस कनोडिय शामिल रहे।

संपादकीय

अहमदाबाद विमान हादसा देश के साथ दुनिया स्तब्ध है

अहमदाबाद विमान हादसा इस सदी की सबसे भयावह त्रासदी है। देश ही नहीं, दुनिया भी स्तब्ध है कि इतना खौफनाक हादसा कैसे हुआ? नियति का निर्णय था, लिहाजा एक यात्री, विश्वास कुमार रमेश, जिंदा भी बच गया। यह कुदरती चमत्कार ही है। अलबत्ता विमान में सवार सभी यात्री, दो पायलट और 10 क्रू मेंबर की हादसे में मौत हो गई। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और कुछ उद्योगपति भी यात्रियों में शामिल थे। यात्रियों में 217 वयस्क, 11 बच्चे और 2 नवजात शिशु थे। यह नियति का बेहद क्रूर न्याय है। जीवन छीनना था, तो प्राण ही क्यों दिए? हैरत है कि नियति ने सभी की मौत एक साथ, एक ही विमान में, तय कर रखी थी! एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई यात्री सवार थे। उड़ान को लंदन जाना था। पल भर में ही तमाम ख्वाहिशें, सपने, परिवार चिंदी-चिंदी हो गए। जीवन राख बन गया। बहरहाल अब जांच का दायरा 'अंतरराष्ट्रीय' हो गया है। 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन' को 30 दिनों के भीतर रपट सौंपनी होगी। बुनियादी जांच 'एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो' (एएआईबी) ही करेगा, जो भारत सरकार के नागरिक विमानन मंत्रालय से ही संबद्ध एक कार्यालय है। भारतीय वायुक्षेत्र में सभी गंभीर विमान हादसों की जांच यही ब्यूरो करता है। बहरहाल सभी रपटों को सार्वजनिक जरूर किया जाए, ताकि आम आदमी भी हादसे के कारण जान सके। यह विमान हादसा सबसे त्रासद इसलिए है, क्योंकि विमान एक मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की इमारत से टकराया और उसका एक हिस्सा इमारत में ही फंसा रह गया। वह दोपहर का भोजन करने का समय था, लिहाजा मेस में कुछ डॉक्टर, एमबीबीएस छात्र, नर्सिंग छात्र और अन्य खाना खा रहे थे। विमान वज्रपात की तरह क्रैश हुआ और धडक़ती जिंदगियों को पल भर में ही लाश बना दिया। कुछ तो विमान की आग के तापमान में जल कर खाक हो गए। ऐसी मौतों की संख्या 27 बताई गई है और 20 डॉक्टर लापता बताए जा रहे हैं। कितनी भयावह त्रासदी है यह! मन चीत्कार कर रहा है। मौतों की पुष्टि के बाद ही अधिकृत आंकड़ा देना नैतिक होगा। वैसे दुनिया के सामने सब स्पष्ट है कि कितना विध्वंसक हादसा है यह! इसे सामान्य घटना तो कोई मान ही नहीं सकता, लेकिन अचंभा है कि बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर सरीखा आधुनिक, विकसित और सबसे अधिक भरोसेमंद विमान इस तरह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुआ? बोइंग विमान के 14 साल के सफर में 1175 विमानों में, 2100 उड़ानें प्रतिदिन के हिसाब से, 1 अरब से अधिक यात्री अब तक उड़ान भर चुके हैं। एक भी ड्रीमलाइनर विमान क्रैश नहीं हुआ। इसे लंबी दूरी का सबसे विशिष्ट विमान माना जाता है। दुनिया की बड़ी विमानन कंपनियां इन्हीं विमानों का इस्तेमाल करती रही हैं, लेकिन खूबियों के बावजूद ड्रीमलाइनर विमान में तकनीकी खामियां भी सामने आती रही हैं। ये खामियां भारतीय संसद में भी गूंज चुकी हैं।

सांस्कृतिक भावभूमि से बन रहा नया भारत

प्रो. संजय द्विवेदी

आज का भारत, युवा शक?ति से भरपूर है। देश की 65 प्रतिशत जनसंख्या यानी लगभग 85 करोड़ युवा अपनी रचनात्मक शक्ति के बल पर हमारे देश को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

भारत अध्यात्म, ज्ञान, कर्म, सेवा, साधना और करुणा का देश रहा है। भारत, राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं की भूमिका का महत्व पहचानने वालों का देश रहा है। ऋषियों, शिक्षकों, कवियों, गुरुओं और वरिष्ठ-जनों ने युवा-शक्ति का यथेष्ट मार्गदर्शन करके उन्हें समाज, देश और दुनिया के कल?याण की ओर सदैव प्रेरित किया है। राष्ट्र-निर्माण के कार्य में युवाओं को प्रेरित करने में समाज की, मनीषियों और चिंतकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

ये मनीषी और चिंतक युवा शक्ति के लिए सदैव प्रेरक होते हैं। उनके 'रोल मॉडल' होते हैं। सामान्य तौर पर, ये रोल मॉडल समय-समय पर, देश-काल और परिस्थिति के अनुसार, बदलते रहते हैं। लेकिन कुछ रोल मॉडल कभी नहीं बदलते। ऐसे ही एक कालजयी रोल मॉडल हैं - स्वामी विवेकाननंद। स्वामी विवेकानंद के विचार दुनियाभर के युवाओं को प्रेरित करते रहे हैं। उन्हें युवाओं की ऊर्जा पर बहुत भरोसा था।

वे कहते थे कि - 'युवा वो होता है जो बिना अतीत की चिंता किए अपने भविष्य के लक्ष्यों की दिशा में काम करता है'। स्वामी विवेकानंद भारत के युवा को अपने गौरवशाली अतीत और वैभवशाली भविष्य की एक मजबूत कड़ी के रूप में देखते थे। आप सभी को आज बस अपने अतीत को जानना है। क्योंकि अतीत को जानकर, उसे समझकर, आपको भविष्य के लक्ष्य तय करने हैं। अपने लिए, समाज के लिए, देश के लिए जो कुछ भी उत्तम और कल्याणकारी है, उसे प्राप्त करने के लिए काम करना है।

आज का भारत, युवा शक्ति से भरपूर है। देश की 65 प्रतिशत जनसंख्या यानी लगभग 85 करोड़ युवा अपनी रचनात्मक शक्ति के बल पर हमारे देश को प्रगति की, मानव सभ्यता की नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर देखें तो आज से लगभग 9 वर्ष पहले शुरू किए गए 'स्वच्छ भारत अभियान' की सफलता में युवाओं का अभूतपूर्व योगदान रहा है। स्वच्छता के प्रति जागरुकता बढ़ाने में, लोगों को प्रेरित करने में युवाओं ने प्रभावशाली योगदान दिया है।

हमारे युवाओं में असीम प्रतिभा और ऊर्जा है। इस प्रतिभा और ऊर्जा का समुचित विकास और उपयोग किए जाने की जरूरत है। इस दिशा में प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं और इन प्रयासों के परिणाम भी सामने आने लगे हैं। ज्ञान-विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी से लेकर, खेल के मैदान तक भारत के बेटे-बेटियां विश्व समुदाय पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। देश के कोने-कोने से नई-नई खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। खेल-कूद से हमारे अंदर टीम भावना का संचार होता है। सामाजिक सौहार्द और राष?ट्रीय एकता के लिए टीम भावना जगाने वाले ऐसे प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है।

आज Innovation, Incubation और Start-Up की नई धारा का नेतृत्व भारत में कौन कर रहा है? आज अगर भारत दुनिया के Start-Up Eco System में टॉप तीन देशों में आ गया है, तो इसके पीछे किसका परिश्रम है? आज भारत दुनिया में यूनिकॉर्न पैदा करने वाला, एक बिलियन डॉलर से ज्यादा की नई कंपनी बनाने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बना है, तो इसके पीछे किसकी ताकत है? इन सब सवालों का एक ही जवाब है, युवा। युवाओं की मेहनत और समर्पण के दम पर ही भारत आज नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है।

आज से 10 साल पहले हमारे देश में औसतन चार हजार पेटेंट प्रतिवर्ष होते थे। अब इसकी संख्या बढ़कर सालाना 15 हजार पेटेंट से ज्यादा हो गई है, यानि करीब-करीब चार गुना। ये किसकी मेहनत से हो रहा है। कौन है इसके पीछे मैं फिर से दोहराता हूं। इसके पीछे युवा ही हैं, नौजवान साथी हैं, युवाओं की ताकत है। 26 हजार नए स्टार्टअप का खुलना दुनिया के किसी भी देश का सपना हो सकता है। ये सपना आज भारत में सच हुआ है। तो इसके पीछे भारत के नौजवानों की ही शक्ति है, उन्हीं के सपने हैं। भारत के नौजवानों ने अपने सपनों को देश की जरूरतों से जोड़ा है, देश की आशाओं और आकांक्षाओं से जोड़ा है।

देश के निर्माण का काम मेरा है, मेरे लिए है और मुझे ही करना है। इस भावना से भारत का नौजवान आज भरा हुआ है। आज देश का युवा नए-नए ऐप्स बना रहा है, ताकि खुद की जिंदगी भी आसान हो जाए और देशवासियों की भी मदद हो जाए।

आज देश का युवा हेकाथॉन के माध्यम से, तकनीक के माध्यम से, देश की हजारों समस्याओं का समाधान खोज रहा है। आज देश का युवा ये नहीं देख रहा कि ये योजना शुरू किसने की, वो आज खुद नेतृत्व करने के लिए आगे आ रहा है। आज देश के युवाओं के सामर्थ्य से नए भारत का निर्माण हो रहा है। एक ऐसा नया भारत, जिसमें Ease of Doing Business भी हो और Ease of Living भी हो। एक ऐसा नया भारत, जिसमें लाल बत्ती कल्चर नहीं है, जिसमें हर इंसान बराबर है, हर इंसान महत्वपूर्ण है। एक ऐसा नया भारत, जिसमें अवसर भी हैं और उड़ने के लिए पूरा आसमान भी।

विश्व स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करके भारत के युवा आज आर्थिक विकास और राष्ट्रीय अर्थव्यस्था के लिए मेरूदंड सिद्ध हो रहे है। ऐसा नहीं है की भारत ने अपनी वैश्विक शक्ति किसी से उधार में ली है। अतीत में भी भारत विश्व गुरु की उपाधि से विभूषित रहा है। भारतीय युवा शक्ति का लोहा अमेरिकी के भूतपूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी मानते थे, तभी उन्होंने समय समय पर भोग में लिप्त अमेरिका के युवाओं को भारत से सीख लेने का परामर्श दिया था।

भारत इस समय बहुत ही सुनहरे दौर से गुजर रहा है। हमारे देश में इस समय युवाओं की संख्या ज्यादा है। जिस देश में युवाओं की आबादी जितनी ज्यादा हो, वह उतनी ही तेजी से तरक्की करता है। इतिहास इसका गवाह है। ऐसे में यह सभी की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि युवाओं की ऊर्जा नष्ट न होने पाए। उन्हें सभी क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा अवसर मुहैया कराए जाने चाहिए।

हमारे ऋषियों ने उपनिषदों में 'तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मामृतं गमय' की प्रार्थना की है। यानी, हम अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ें। परेशानियों से अमृत की ओर बढ़ें। अमृत और अमरत्व का रास्ता बिना ज्ञान के प्रकाशित नहीं होता। इसलिए, अमृतकाल का ये समय हमारे ज्ञान, शोध और इनोवेशन का समय है। हमें एक ऐसा भारत बनाना है, जिसकी जड़ें प्राचीन परंपराओं और विरासत से जुड़ी होंगी और जिसका विस्तार आधुनिकता के आकाश में अनंत तक होगा।

हमें अपनी संस्कृति, अपनी सभ्यता, अपने संस्कारों को जीवंत रखना है। अपनी आध्यात्मिकता को, अपनी विविधता को संरक्षित और संवर्धित करना है। और साथ ही, टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन, हेल्थ की व्यवस्थाओं को निरंतर आधुनिक भी बनाना है।

प्रख्यात कवि भीम भोई जी की कविता की एक पंक्ति है। ÷मो जीवन पछे नर्के पड़ी थाउ,जगत उद्धार हेउ÷। अर्थात्, अपने जीवन के हित-अहित से बड़ा जगत कल्याण के लिए कार्य करना होता है। जगत कल्याण की इसी भावना के साथ हमारा कर्तव्य है कि हम सभी को पूरी निष्ठा व लगन के साथ काम करना होगा। हम सभी एकजुट होकर समर्पित भाव से कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ेंगे, तभी वैभवशाली और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण होगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

न खर्ची, न पर्ची, योग्यता के आधार पर बिना रिश्वत के चयन हुआ है- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

विक्रम सेन की रिपोर्ट

लखनऊ। रविवार को वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में दुनिया के सबसे बड़े पुलिस बल उत्तर प्रदेश पुलिस की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती परीक्षा में चयनित 60,244 अभ्यर्थियों को केंद्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री अमित शाह ने नियुक्ति प्रदान की। इस अवसर पर 15 नवचयनित सिपाहियों को प्रत्यक्ष मंच पर बुलाकर नियुक्ति पत्र सौंपा गया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नवचयनित 60,244 सिपाहियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कहा कि ÷उत्तर प्रदेश में पहले भी पुलिस में भर्तियां होती थी, लेकिन इस बार इसकी संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि किसी को आज किसी युवा को नौकरी के लिए एक पैसा भी नहीं देना पड़ा। बिना खर्ची, पर्ची, सिफारिश और भ्रष्टाचार के योग्यता के आधार पर नौकरी दी गई है। किसी भी सरकार के लिए इससे बड़ी उपलब्धि नहीं हो सकती है।÷

शाह ने कहा कि नवचयनित सिपाहियों में 12,048 लड़कियां भी हैं। इनके चेहरे पर आज आत्मविश्वास और आनंद देखकर सुकून मिला है। महिलाओं को भर्तियों में पूरा आरक्षण दिया गया है। बदलता भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी नए मुकाम हासिल कर रहा है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जाने वाला भारत पहला देश बन चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सबसे सफल और लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं। यूपी में 8 सालों 8.5 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। पीएम मोदी के नेतृत्व में योगी केंद्र की सामाजिक सुरक्षा की तमाम योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम कर रहे हैं। अब यूपी नवनिर्माण की राह पर आगे बढ़ रहा है। यूपी को विकसित के साथ सुरक्षित बनाने का जिम्मा आप सभी का है। दंगे का गढ़ माना जाने वाला प्रदेश अब दंगामुक्त हो चुका है। यहां न्याय का शासन है। गुंडों का फरमान नहीं चलता है। अपराधियों को वीवीआईपी कल्चर नहीं मिलता है। मोदी राज में देश सुरक्षित हुआ है। देश के 11 राज्यों में कांग्रेस सरकार के दौरान नक्सलवाद हावी था, जो अब सिमटकर तीन जिलों में रह गया है। मेरा वादा है कि मार्च, 2026 में ये भी नक्सलमुक्त हो जाएंगे।

गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जाने वाला भारत पहला देश बन चुका है। केदारनाथ, बंद्रीनाथ, काशी विश्वनाथ कॉरीडोर का निर्माण हुआ। भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो चुका है। उत्तराखंड में हमारी सरकार यूनीफॉर्म सिविल कोड लेकर आई है। हमने तीन तलाक खत्म किया। वक्फ कानून को सख्त बनाकर लूट को रोका।

गृह मंत्री ने कहा मोदी सरकार में देश सुरक्षित8 हुआ है। पहले 11 जिलों में नक्सलवाद हावी था। आज सिर्फ तीन जिले बचे हैं। मेरी बात याद रखना 31 मार्च 2026 को हम देश को नक्सलवाद मुक्त कर देंगे। कांग्रेस शासन में आए दिन आतंकवादी हमले होते थे। मोदी के शासन में तीन बार प्रयास हुआ। उरी में हमला किया तो सर्जिकल स्ट्राइक किया। पुलवामा किया तो हमने एयर स्ट्राइक किया। पहलगाम में हमला किया तो आपरेशन सिंदूर से हमने उनके मुख्यालय को जमीन में मिला दिया। जहां पर बैठकर वो इंटरव्यू देते थे, वहां से रोने के उनके वीडियो सामने आ रहे हैं।

इस अवसर पर दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी समेत तमाम मंत्री मौजूद थे। अमित शाह ने कहा कि आज युवाओं के लिए शुभ दिन है। प्रदेश के हर जिले और तहसील के युवा पुलिस बल का हिस्सा बनने जा रहे हैं। आजादी के समय देश के बाकी पुलिस बलों के साथ यूपी की तुलना होती थी, लेकिन कुछ सालों में यहां कानून-व्यवस्था बिगड़ती चली गई। वर्ष 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश पुलिस नई बुलंदियों की ओर बढ़ रही है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में पुलिस बल के आधुनिकीकरण की शुरुआत की गई, लेकिन यूपी में करीब तीन साल तक इस पर रोक लगी रही। केंद्र की योजनाओं को यूपी में नकार दिया जाता था। नवचयनित सिपाहियों से कहा कि वर्ष 2047 में भले ही हम लोगों में कोई न हो, लेकिन आप लोग देश को दुनिया में पहले नंबर की पोजीशन हासिल करते हुए देखेंगे। इसमें यूपी का योगदान सबसे ज्यादा होगा। इसके लिए हर क्षेत्र में काम करना होगा।

राजनीतिक विद्रूपताओं को केंद्र में रखकर लिखे गए तीखे प्रभावी व्यंग्य - घनश्याम मैथिल 'अमृत'

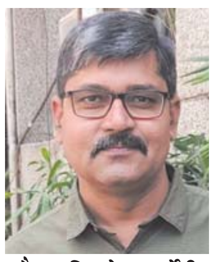

कौशलकिशोर चतुर्वेदी

14 जून का दिन हमारे जीवन में खास बन गया है। मेरे पहले व्यंग्य संग्रह 'मोटे पतरे सबई तो बिकाऊ हैं' का विमोचन दुष्यंत संग्रहालय में हुआ। घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने इसकी समीक्षा करते हुए कहा कि व्यंग्य वर्तमान समय में निःसंदेह साहित्य की एक लोकप्रिय विधा के रूप में लेखकों और पाठकों के बीच पूरे प्रभाव के साथ उपस्थित है।

राजनीति सदैव हमारे राष्ट्र और समाज के केंद्र में रही है और आम आदमी लगभग हाशिए पर। राजनीतिक व्यवस्था से ही हमारी पूरी सामाजिक और राष्ट्रीय व्यवस्था और तमाम रीतियां नीतियों तय होती हैं। हालांकि ऐसा नहीं है की केवल राजनीति ही इसके लिए पूर्णतः उत्तरदायी है इसके लिए विधायिका के साथ ही न्यायपालिका, कार्यपालिका और खबरपालिका भी मामले में कम पड़ते नज़र नहीं आते। फिर भी सध्य प्रकाशित व्यंग्य संग्रह में पेशे से मूलतः पत्रकार और विचारों से व्यंग्यकार कौशल किशोर चतुर्वेदी ने राजनीति को ही केंद्र में रखकर अपने व्यंग्य बाण चलाए हैं। क्योंकि जब राजनीति में ही शुचिता नहीं रहेगी और राजनीति में ही दोहरा चरित्र होगा। और राजनेता आमजन को केवल मतदाता मानकर उसके साथ छल करेंगे तो ऐसे में हमारे लोकतंत्र का आधार आमजन और उसकी मत-शक्ति का क्या होगा, जब हमारे लोकतंत्र के चार स्तंभों में से एक मुख्य स्तंभ ही दरक जाएगा तो शेष स्तंभ भी इसकी चपेट में आकर स्वतः कमजोर हो जाएंगे। इन सारी बातों विषयों और चिंताओं को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ पत्रकार और व्यंग्यकार चतुर्वेदी ने 'मोटे पतरे सबई तो बिकाऊ हैं' निबंध संग्रह को हमारे सम्मुख प्रस्तुत किया है।

समीक्षक के रूप में घनश्याम मैथिल 'अमृत' ने 'मोटे पतरे सबई तो बिकाऊ हैं' व्यंग्य संग्रह पर यह विचार व्यक्त किए। लेखिका निरुपमा खरे, लेखक कौशल किशोर चतुर्वेदी एवं पुरुषोत्तम तिवारी की पुस्तकों का लोकार्पण समारोह दुष्यंत संग्रहालय में 14 जून 2025 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य निर्वाचन आयुक्त, अक्षरा के संपादक मनोज श्रीवास्तव ने व्यंग्य संग्रह की प्रशंसा की। तो कथाकार और बनमाली सृजन पीठ के अध्यक्ष मुकेश वर्मा ने बुंदेली बोली को समाहित करते हुए लिखे गए इस राजनैतिक व्यंग्य संग्रह को प्रभावी रचना बताया।

घनश्याम मैथिल ने बताया कि इस निबंध संग्रह में वर्तमान राजनीति को केंद्र में रखकर 23 व्यंग्य निबंध संग्रहीत किए हैं जो कौशल किशोर चतुर्वेदी ने समय-समय पर अखबारों के लिए लिखे हैं। समसामयिक तत्कालीन विषयों पर पत्र पत्रिकाओं में व्यंग्य स्तंभ लिखने की हमारे यहां समृद्ध परंपरा रही है। व्यंग्य पुरोधा अग्रज हरिशंकर परसाई, शरद जोशी से लेकर वर्तमान समय में चर्चित व्यंग्यकार पद्मश्री डॉ ज्ञान चतुर्वेदी सहित अन्य व्यंग्यकार नियमित रूप से अखबारों के लिए व्यंग्य निबंध लिखते रहे हैं। इस परंपरा को ही कौशल जी ने कुशलता से आगे बढ़ाया है। उनके इन व्यंग्य निबंधों में कहीं न कहीं उनका पत्रकार सदैव मौजूद रहा है और इस दुनिया के आदि यानी प्रथम पत्रकार कहे जाने वाले नारद मुनि इन व्यंग्य निबंधों के केंद्र में सूत्रधार के रूप में हर जगह उपस्थित रहे हैं। जब नारद होंगे तो सहज ही उनके साथ हमारे अन्य पौराणिक पात्र भी होंगे कौशल जी के लिए यह व्यंग्य अपने मन की घुटन शांत करने का तरीका हैं, वे इन व्यंग्यों के माध्यम से तत्कालीन राजनैतिक परिस्थितियों पर एक दृष्टि डालते हुए एक तंज कसते हैं,एक मीठी सी चिकोटी काटते हैं। इन व्यंग्य रचनाओं की अपनी भूमिका में सुपरिचित व्यंग्यकार शांतिलाल जैन ने व्यंग्य के साथ ही इन्हें जरूरी राजनैतिक टिप्पणियां कहा है।उनके प्रायः विषय तत्कालीन राजनीति पर केंद्रित हैं और उनके व्यंग्य समसामयिक है उनकी भाषा में जो बुंदेली टच है वो उन्हें जीवंत बनाता है। एक सहज आदमी की सहज अभिव्यक्ति को पाठक सहजता से पढ़ते हुए इनका आनंद लेगा, इसका मुझे पूर्ण विश्वास है।

तो मुझे भी अपने इस पहले व्यंग्य संग्रह से काफी अपेक्षा है। घनश्याम मैथिल अमृत के साथ ही मुकेश वर्मा, मनोज श्रीवास्तव, ज्योति रघुवंशी और कांता राय की राय से सरोकार रखते हुए मेरा भी दावा है की यह व्यंग्य संग्रह किसी भी पाठक को निराश नहीं करेगा।

दो कट्टर शत्रु, ईरानी और इजराइली, भारत को अपना दूसरा घर क्यों मानते हैं

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

भारत, जहां यहूदी और शिया दोनों को मिला सम्मान। इजराइल और ईरान दोनों से गहरे संबंध रखने वाला इकलौता देश, जो मध्य-पूर्व संकट में शांति का पक्षधर है।

पूर्वी पाकिस्तान से बांग्लादेश के रूप में एक स्वतंत्र राष्ट्र के उदय में लेफ्टिनेंट जनरल जेएफआर जैकब की बड़ी भूमिका थी। वे यहूदी थे और उनकी वर्दी लैट्रन स्थित इजराइली सैन्य संग्रहालय में आज भी लगी हुई है। एक इजराइली पत्रकार ने उनसे पूछा की क्या वे कभी इजराइल जाना चाहते थे या वहां की सेना में शामिल होना चाहते थे, तो उन्होंने कहा, मुझे यहूदी होने पर गर्व है, लेकिन मैं पूरी तरह से भारतीय हूं। मुझे इस देश से प्यार है, जिसने इतिहास में यहूदियों के साथ किसी भी अन्य देश से बेहतर व्यवहार किया है। यह मेरा घर है, यहीं मैं मरना चाहता हूं। जैकब को नई दिल्ली के यहूदी कब्रिस्तान में दफनाया गया है।

पारसी समुदाय, जो मूल रूप से ईरान से है, पारसी समुदाय ने भारत में अपनी धरोहर को संरक्षित और समृद्ध किया है, जिससे सांस्कृतिक संबंधों में योगदान मिला है। बहुत कम संख्या होने के बाद भी पारसी समुदाय ने देश में विभिन्न औद्योगिक और आर्थिक सुधारों को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता ने भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पारसियों के पास समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है और उन्होंने देश पर अमिट प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने देश के निर्माण में बढ़-चढ़कर योगदान दिया है। अगर टाटा और गोदरेज आधुनिक उद्योग के निर्माण में माहिर माने जाते हैं तो होमी भाभा ने भारत को परमाणु शक्ति सक्षम बनाया। टाटा समूह सिर्फ भारत का व्यापारिक दिग्गज ही नहीं, बल्कि समय के साथ वैश्विक स्तर पर मजबूत विश्वसनीय ब्रांड बन चुका है।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खुमैनी की जड़ें उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से जुड़ी हुई हैं। खुमैनी के दादा सैयद अहमद मुसावी का जन्म 19वीं सदी की शुरुआत में बाराबंकी के किंतूर गांव में हुआ था। अहमद मुसावी के पिता दीन अली शाह मध्य पूर्व से भारत आकर बाराबंकी में बस गए थे। अहमद मुसावी ने अपने नाम के साथ 'हिंदी' जोड़कर भारत से अपना जुड़ाव बनाए रखा। 1834 के आसपास अहमद मुसावी भारत छोड़कर ईरान चले गए। भारतीय शिया आबादी ईरान के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी है भारत। दुनिया का एकमात्र गैर मुस्लिम राष्ट्र है जिसकी कुल आबादी का चार फीसदी शिया आबादी है और जिसने मोहर्रम के रूप में सूचीबद्ध आशूरा के दिन को भारत में सार्वजनिक अवकाश के रूप में मान्यता दी है।

इजराइल पर हमास के हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विट कर कहा कि मुश्किल घड़ी में भारत इजराइल के साथ खड़ा है। भारत और इजराइल रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में काफी सहयोग कर रहे हैं। इसके तहत हथियारों की खरीद फरोख्त, सेनाओं के बीच तालमेल और आतंकवाद से मुकाबले में सहयोग शामिल है। पिछले एक दशक के दौरान भारत, इजराइल में बने हथियारों का सबसे बड़ा ग्राहक बन गया है और इस मामले में उसने अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। इजराइल के सेंसर, हेरोन ड्रोन, हाथ में पकड़कर चलाए जा सकने वाले थर्मल इमेजिंग के उपकरणों और रात में देखने में मदद करने वाले औजारों ने भारत को नियंत्रण रेखा के उस पार से घुसपैठ रोकने और कश्मीर घाटी में आतंकवाद के खिलाफ अभियानों में काफी मदद दी है। भारत, इजराइल से जो हथियार खरीदता है, उनमें मानवरहित विमान, मिसाइलें और रडार सिस्टम का दबदबा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत का इजराइल ने खुलकर समर्थन किया था।

वहीं इजराइल का सबसे बड़ा प्रतिद्वंदी ईरान, यूरेशिया और हिन्द महासागर के मध्य एक प्राकृतिक प्रवेश द्वार है, जिससे भारत रूस और यूरोप के बाजारों तक आसानी से पहुंच सकता है। एशिया महाद्वीप की दो महाशक्तियां भारत और चीन की सामरिक प्रतिस्पर्धा समुद्री परिवहन और पारगमन की रणनीति पर देखी जा सकती है। चीन की पर्ल ऑफ स्प्रिंग के जाल को भेदने के तौर पर चाबहार बंदरगाह भारत की उम्मीद है। मध्य पूर्व का भौगोलिक क्षेत्र तीन महाद्वीपों का संगम क्षेत्र है। यूरोप, एशिया और अफ्रीका। यह क्षेत्र लाल सागर, काला सागर तथा एड्रियाटिक सागर नामक तीन जलडमरू मध्यों के द्वारा चौथे समुद्र भूमध्यसागर से भी जुड़ा है। सीमा की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण क्षेत्र अल्जीरिया और ट्यूनीशिया की पूर्वी सीमा से लेकर अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान तक फैला हुआ है। चाबहार बंदरगाह, वैश्विक बाजार में पहुंच बढ़ाने के लिए भारत के लिए बहुत मददगार बन सकता है।

ईरान और इजराइल के बीच जारी भीषण संघर्ष में दुनिया की निगाहें भारत की ओर हैं। इसका कारण यह है कि इन दोनों देशों से भारत के इतने खास संबंध हैं कि यहूदी हो या शिया, दोनों भारत को दूसरा घर समझते हैं। भारत भी इन दोनों देशों को खास महत्व देता है। भारत ने भी दोनों देशों से अपील की कि वे संघर्ष का रास्ता छोड़कर कूटनीतिक तरीके से समस्या का हल निकालें।

(लेखक विदेशी मामलों के जानकार हैं)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

स्वच्छता और सम्मान की ओर एक कदम संगम सेवालय द्वारा सैनिटरी पैड वितरण कार्यक्रम का आयोजन

छतरपुर। संगम सेवालय द्वारा आज हनुमान तौरिया क्षेत्र स्थित आंगनबाड़ी केंद्र एवं बाला जी पुरम में एक सराहनीय पहल के तहत महिलाओं और किशोरियों के लिए सैनिटरी पैड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा।

इस अवसर पर कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए उच्च गुणवत्ता वाले सैनिटरी नैपकिन्स का वितरण किया गया, जिनका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी गरीब वर्ग की महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता और सुविधा प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान संगम सेवालय की संचालिका अंजू अवस्थी, नीतू सिंह, शुभम पटेल और सुनीता राजक विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इन सभी ने न केवल पैड का वितरण किया, बल्कि उपस्थित महिलाओं और किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व पर जागरूक भी किया। उन्होंने बताया कि कैसे सही समय पर सैनिटरी पैड का प्रयोग संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से बचा सकता है।

11 वर्ष में सरकार ने सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के मार्ग पर ऐतिहासिक प्रगति की

औबेदुल्लागंज संवाददाता । भारती जनता पार्टी मंडल औबेदुल्लागंज में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन होटल शांति पैराडाइज में संपन्न हुई। जिसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ भूपेंद्र नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्ष में सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मार्ग पर ऐतिहासिक प्रगति की है, उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र ने हर नागरिक को विकास की प्रमुख धारा से जोड़ा है। भाजपा जिला महामंत्री रविंद्र विजयवर्गीय ने केंद्र सरकार की योजना एवं आपातकाल पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता अशोक यादव, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, सोनू चौकसे, वरिष्ठ नेता सुरजीत सिंह बिल्ले, देवेंद्र सिंह राजू, मंडल महामंत्री माधव यादव, शिवराज उइके,मंडल उपाध्यक्ष गजेंद्र नागर,प्रकाश पटेल, माखन परमार,नंदू पंडित, कोमल सिंह चौहान, सर्वोदय अहिरवार, मनोज चौरसिया,पुरषोत्तम शर्मा,हरगोविंद वर्मा,जीतू नंदवंशी,बचन लोधी, धर्मेंद्र चौरसिया,आरती यादव आदि उपस्थित रहे !

पर्यटन को बढ़ावा देने 2938 लाख रूपए से बनेगी 13 किमी तक सड़क

छतरपुर। मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग की स्थाई वित्तीय समिति की 287वीं बैठक में छतरपुर संभाग के 21 सड़क निर्माण कार्यों के प्राक्कलनों को स्वीकृति मिली, जिसमें राजनगर विधानसभा क्षेत्र के 8 महत्वपूर्ण मार्ग शामिल हैं। राजनगर विधायक अरविंद पटैरिया ने समिति का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। स्थानीय लोगों ने विधायक के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए खुशी जताई है।

विधायक अरविंद पटैरिया ने बताया कि स्वीकृत मार्गों में पर्यटन क्षेत्र खजुराहो के शक्ति की माडिया से रनेह फॉल तक 13 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 2938.02 लाख रुपये है। यह सड़क पर्यटन और स्थानीय आवागमन को बढ़ावा देगी। अन्य मार्गों में लक्ष्मणपुरा से भितरिया पहुंच मार्ग (1 किमी, 116.65 लाख), मेन रोड खजवा से किरवा पुरवा पहुंच मार्ग (1.80 किमी, 208.07 लाख), मेन रोड मऊ मसानिया के पहले धवाड़ पहुंच मार्ग (1.20 किमी, 257.82 लाख), बम्हौरी तिराहा से धुराटी ठकुर पुरवा मार्ग (1 किमी, 121.50 लाख), पीरा से सदाफट मार्ग (0.90 किमी, 101.94 लाख), दोनी से गऊवा पुरवा पहुंच मार्ग (2.70 किमी, 474.19 लाख) और देवगण से मुड़वरा पहुंच मार्ग (2 किमी, 230.06 लाख) शामिल हैं। पटैरिया ने कहा कि ये सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ेंगी, जिससे किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी। विशेष रूप से रनेह फॉल मार्ग पर्यटन को बढ़ावा देगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। क्षेत्रवासियों ने विधायक के प्रयासों को सराहते हुए कहा कि इन सड़कों के बनने से लंबे समय से चली आ रही कनेक्टिविटी की समस्या हल होगी। उन्होंने बताया कि स्वीकृत प्राक्कलनों के बाद जल्द ही इन मार्गों के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

सरकार स्पष्ट करे किसानों से प्रति एकड़ कितनी मूंग खरीदेगी: पुष्पराज पटेल

माखन नगर। मूंग खरीदी को लेकर नर्मदापुरम जिले में निकल रही किसान अधिकार यात्रा चौथे दिन सोहागपुर विधानसभा के सेमरी हरचंद से प्रारंभ होकर जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 9 एंव 8 के बुधवाड़ा काजलखेड़ी गूजरवाड़ा आंखमऊ बाबई बज्जरवाड़ा आरी सांगाखेड़ा होकर घानाबड़ पर विश्राम हुई यात्रा में गांव-गांव में नुक्कड़ सभा के माध्यम से किसान नेता पूर्व प्रत्याशी पुष्पराज पटेल,एंव जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष विजय बाबू चौधरी ने किसानों से अपील की हमारी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है मूंग खरीदी को लेकर सरकार ने अभी स्थिति स्पष्ट नहीं की है कि वह कितना खरीदेगी और वेयरहाउस कहां-कहां होंगे खाद बिजली एवं पानी जैसी कई समस्या है जिसे किसानों को अभी लड़ना है जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 9 से सदस्य हाकम सिंह पटेल ने कहा कि सुहागपुर विधानसभा ही नहीं बल्कि पूरे होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र में किसानों की बात आती है तो सबसे पहले लड़ने वाले पुष्पराज पटेल नजर आते हैं मगर जब वोट की बात आती है तो किसान पीछे हो जाते है किसान नेता विजय मीणा ने बताया यह यात्रा जारी रहेगी जब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी जामा नहीं पहनाया जाता तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा सेवादल के जिला अध्यक्ष जितेन्द्र सोलंकी ने कहा किसान समय पर पंजीयन कराए तथा अपने पंजीयन दलालों को न दें नुक्कड़ सभा में संचालन कर रहे किसान नेता राकेश दुबे ने बताया कि यह किसान अधिकार यात्रा बनखेड़ी के पांसी घाट से प्रारंभ हुई जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अरुण यादव जी किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष संतोष मालवीय प्रदेश महामंत्री राजकुमार केलु उपाध्याय पूर्व प्रत्याशी रणबीर पटैल पूर्व प्रदेश सचिव यशवंत राजपूत जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे वरिष्ठ कांग्रेसी पंकज राठौर वरिष्ठ नेता मानक अग्रवाल वरिष्ठ नेता महेंद्र शर्मा सूरज तिवारी आदि ने सोहागपुर एवं शोभापुर में जनसभा कर सरकार को चेतावनी दी प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने कहा की मूंग तो उनके देव को भी खरीदना पड़ेगा माननीय प्रदेश अध्यक्ष की चेतावनी के बाद अगले दिन ही सरकार को झुकना पड़ा। यात्रा में चौथे दिन पुष्पराज पटेल बाबू चौधरी विजय मीणा जितेन्द्र सोलंकी हाकम सिंह पटेल

दौलत राम पटेल राकेश दुबे जगमोहन यादव राधेलाल यादव संजय गिल्ला राजेंद्र मुराड़या देवेंद्र यादव शैलेंद्र दुबे हेमंत पटैल मोनू हरि पटेल राजा यादव अनिल चौरे लाला यादव मोहन सोनी अरुण तिवारी उत्कर्ष आचार्य आदि सम्मलित हुए।

इंदौर आईडीए के फ्लैट्स को बताया पीएम आवास का घर

82 लाख रुपए की कर दी धोखाधड़ी

इंदौर में एक अजीब धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें शातिर धोखेबाज ने इंदौर विकास प्राधिकरण के फ्लैट्स को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बताकर 82 लाख रुपए की ठगी की। पुलिस को चंदन पाटिल, नमन सहित 15 आवेदकों ने इस धोखाधड़ी को लेकर शिकायत की थी। जिस पर अपराध क्रमांक - 61/2025, धारा 318(4), 316(2) 336, 338, 340में दर्ज किया गया। इसमें आरोपी जतिन भाई मानिया (33), जिसे दीपक तुरकर, शैलेश, नीरज पटेल, ए. के. पटेल और संदीप पटेल के नामों से भी जाना जाता है। उसका स्थाई पता जिला भावनगर, गुजरात है, और वर्तमान में वह जिला सूरत (गुजरात) में रह रहा है। पुलिस ने बताया कि आरोपी जतिन गुजरात से 12वीं तक पढ़ा हुआ है। आरोपी ह्रूङ्ग और 99 एकड़ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से किराए पर रूम तलाशता था। इसके बाद फिर लोगों के साथ रूम में रहते हुए आरोपी ने साथ वालों से कहा कि इंदौर नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बिल्डिंग बनाई जा रही है। उनके फ्लैट अलॉटमेंट / बुकिंग/सेल्स का टेंडर हमारी कम्पनी को मिला है। अगर ये खरीदना है तो मुझे बताना मैं तुम्हारा फ्लैट अपनी कंपनी से सस्ते में करा दूंगा। उसने ID के फ्लैट दिखाने के साथ ही नगर निगम द्वारा बनाए गए पीएम आवास योजना के मकान भी दिखाए और इसमें बुकिंग के नाम पर ठगी की। पुलिस को जांच में पता चला कि पूर्व में अहमदाबाद में फर्जी ऋङ्गह्व अधिकारी बनकर यही आरोपी लोगों के साथ 10 लाख की धोखाधड़ी कर चुका है। साथ ही मुंबई में नगर निगम में नौकरी दिलाने के नाम से 20 लाख की धोखाधड़ी की बाद भी उसके द्वारा कबूली गई। आरोपी के विरुद्ध अहमदाबाद, मुंबई में धोखाधड़ी की जांच की जा रही है। साथ ही उसने बलात्कार एवं आर्म्स एक्ट का अपराध भी पहले से पंजीबद्ध होना कबूला।

घरेलू गैस सिलेंडर जनजागरूकता अभियान की सीहोर में शुरुआत

सीहोर। घरेलू गैस सिलेंडर जनजागरूकता अभियान एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है, ऐसा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन सोलंके ने बताया। यह अभियान देश के 15 राज्यों के 275 जिलों में 2700 स्वयंसेवकों के साथ दिनांक 10 मई से (45 दिनों तक) चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सभी होटल, रेस्टोरेंट, फैक्ट्री आदि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जाकर, उन्हें सार्वजनिक सूचना पत्र,जानकारी पत्रक देकर यह बताया जाएगा कि 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में उपयोग नहीं करना चाहिए।

इस अभियान को सीहोर के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी सुनील कुमार बोहित ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन सोलंके ने बताया कि ऑटो रिक्शा और एलपीजी वाहनों में भी घरेलू गैस सिलेंडर का अवैध रूप से उपयोग हो रहा है, जिससे देश में हर साल लगभग 1000 विस्फोट होते हैं और जान-माल की हानि होती है। साथ ही सरकारी राजस्व को भी भारी नुकसान पहुंचता है। यदि आप अपने व्यावसायिक स्थल अथवा वाहन में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग कर रहे हैं, तो आपके विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 और 7 के अंतर्गत संबंधित विभाग द्वारा आपराधिक और दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन एक स्वयंसेवी संस्था है, जो कई वर्षों से ग्राहकों के हित, न्याय, अधिकारों और संरक्षण के लिए कार्यरत है। सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना के तहत ज़रूरतमंदों तक एलपीजी गैस उपलब्ध कराने की जो पहल की गई है, उसका कुछ लोग थोड़े से फायदे के लिए अवैध रूप से उपयोग कर रहे हैं। 14.2 किलो का सिलेंडर केवल घरेलू उपयोग के लिए है और उसका किसी भी प्रकार से किया गया व्यावसायिक उपयोग दंडनीय अपराध है। इस पर रोक लगाने के लिए ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन की ओर से घरेलू गैस सिलेंडर के सही उपयोग के लिए एक राष्ट्रव्यापी जनजागरूकता अभियान की शुरुआत की जा रही है, ऐसी जानकारी कार्यकारी अध्यक्ष एवं परियोजना प्रमुख शुभम रंगारी ने दी।

क्या क्षेत्र को दरकार है स्थानीय नेतृत्व की सौगातों के नाम पर महज झुनझुना क्यों

विनोद साहू बाड़ी। इसे शहर का दुर्भाग्य कहें या फिर नियती कि यह नगर दशकों से पिछ्ड़ेपन का दंश झेल रहा है। इसकी पृष्ठ?भूमि में कई कारण हो सकते है उनमें प्रमुख कारण है कि राजनैतिक धरातल पर इस नगर को आज तक सशक्त स्थानीय नेतृत्व नहीं मिल पाया है। आयातित नेतृत्व इस नगर का दोहन करते रहे है। यहाँ का बासिन्दा भी धन्यवाद का पात्र है जो है जो अपनी भावी पीढी को पिछडा, समस्या-ग्रस्त, मौलिक सुविधाविहिन नगर सौंपने के लिए उत्साहित है।

रायसेन जिले की कभी सबसे बड़ी तहसील का मुख्यालय रहा बाड़ी नगर कई दशकों से विकास की प्रतीक्षा कर रहा है। तहसील मुख्यालय तो आज भी है लेकिन इसकी दशा दूर-दराज के सुविधा बिहिन ग्राम के समान हो गई है। इस पिछ्ड़ेपन को लेकर हरकोई अपने स्तर से हजारों कारण गिना सकता है। इनमें सबसे प्रमुख कारण है इस नगर की स्थानीय नेतृत्व नाहीं मिल पाना है। कई आयातीत नेतृत्व को इस नगर से सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। इन आयातीत नेतृत्व में ऐसे भी है जिन्होंने अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत ही इसी नगर से की है। सत्ता के शीर्ष पर पहुंचने के बाद इन आयातित नेतृत्व ने इस नगर की तरफ पलटकर देखना भी उचित नहीं समझा। दूसरी पंक्ति में खड़ा रहने वाला नेतृत्व स्थानीय बासिन्दा परन्तु उसे भी नगर के विकास से कोई सरोकार नहीं है।

इस नगर का आम बासिन्दा धन्यवाद का पात्र है द्यदशकों से दिखाए जा रहे विकास के दिव्यस्वपनों से वह अभी तक भी ऊबर नहीं पाया है। सपनों में खोया आम बासिन्दा अपनी भावी पीढी को भी भूल चुका है। नगर के विकास के प्रयासों के बजाये निरर्थक चर्चाओं में उलझा हुआ है। रोजगार का

अभाव, चौपट होते व्यापार व्यवसाय, शिक्षा का गिरता स्तर, पलायन करती मूलभूत सुविधाओं से वह बेखबर हो चुका है। अतीत और आज की तुलना करें तो आज शिक्षित वर्ग का ग्राफ काफी ऊँचा है लेकिन शिक्षित वर्ग भी अनपढ़ों कतार में खडा दिखाई देता है। गढ्डे दार सड़कें, सुविधा -विहिन् चिकित्सालय, रोजगारमूलक योजनाओं का अभाव की ओर उसका मानस पटल कार्य ही नहीं कर रहा है। जब खुद के भविष्य से वह अनजान है तो भावीपीदी के सुखद भविष्य की कल्पना कैसे कर सकता है।

जन समुदाय का श्रमदान व्यर्थ नहीं जाएगा इस बावड़ी को संरक्षित करने का कार्य करेंगे- कलेक्टर

300 वर्ष प्राचीन बावड़ी को पुनर्जीवित करने दूसरे दिन भी ग्राम के लोगों ने किया श्रमदान

दमोह। जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत नवांकुर संस्था छात्र सर्व कल्याण समिति एवं ग्राम पंचायत पिपरिया तुरकाई द्वारा पथरिया जनपद अंतर्गत ग्राम मड़िया में स्थित लगभग 300 वर्ष पुरानी अति प्राचीन बावड़ी को पुनर्जीवित करने दो दिवसीय श्रमदान कार्यक्रम संपन्न हुआ। आज दूसरे दिन कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे, एसडीएम निकेत चौरसिया, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, जनपद सीईओ कटारे, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद, कृष्णा पटेल सहित ग्रामीण जनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर बावड़ी को स्वच्छ और सुंदर बनाने हेतु श्रमदान किया। परिषद से जुड़ी स्वयंसेवी संस्थाओ के प्रतिनिधियों द्वारा भी सहभागिता की गई।

इस दौरान कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने श्रमदान में सहभागिता करते हुए कहा कि जन समुदाय का श्रमदान व्यर्थ नहीं जाएगा। इस बावड़ी को अब हम संरक्षित करने का कार्य करेंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान की यही मंशा कि अपनी प्राचीन जल संरचनाओं को संरक्षित किया जाए। बावड़ी के संरक्षण और अन्य विषयों के संदर्भ में अधिकारियों को निर्देशित किया है शीघ्र ही बावड़ी अपने सुंदर रूप में देखने मिलेगी।

श्रमदान कार्यक्रम में परिषद से जुड़ी संस्था धरातल जन कल्याण विकास समिति पथरिया , नेहरू युवा नव जागृति नव युवक मंडल समिति बांसा कला, बांसातारखेडा नेहरू युवक मंडल, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति देवरान, सारखड़ी, बरधारी, तुरकाई, लुहर्रा की सहभागिता रही।

इस दौरान सुशील गुप्ता, जिला समन्वयक सुशील कुमार नामदेव, कपिल पटेल पिपरिया, कृष्णा पटेल, दिलीप कुमार पटेल, घनश्याम पटेल, रामप्रसाद पटैल, जगदीश पटैल, बलराम पटैल, राजेन्द्र पटैल, महेंद्र पटैल, सुरेश पटैल, अभिषेक पटैल, सुनील पटैल, कपिल पटैल, दुर्गेश पटेल, सत्यम पटैल, कार्तिक पटैल, कृष्णा पटेल, हेमराज पटेल, आकाश पटैल, बृजेंद्र पटेल, यशवंत पटेल, चंद्रपाल सिंह परिहार, अमित पटेल, आशीष पटेल, सौरव पटेल, अनिरुद्ध पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों की उपस्थिति रही।

भाजपा अध्यक्ष ने किया सारथी ऑनलाइन टैक्सी का शुभारंभ

मंडला। विगत दिवस जिले में रविवार को सारथी ऑनलाइन टैक्सी का शुभारंभ हुआ वर्षो से चली आ रही मांग को उद्योगपति नितिन राय ने पूरा किया है। उन्होंने कहा कि अब जिले के अंदर सफर करना आसान हो गया है दिन हो या रात हर समय टैक्सी की सुविधा उपलब्ध रहेगी।आपको अपने गंतव्य तक पहुंचायेगी।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वालन माल्यार्पण से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा मौजूद रहे,उन्होंने कहा कि मंडला में यह सुविधा लोगो के लिए संजीविनी का काम करेगी।देर रात घर लौटने वाले लोगो के लिए बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन से उचित साधन नही हैं जिसकी पूर्ति सारथी ऑनलाईन टैक्सी करेंगी।अध्यक्ष ने संचालित एप्प को मोबाईल में लोड किया और ऑनलाईन टैक्सी बुलाकर कार्यक्रम समापन के बाद भाजपा कार्यालय के लिए रवाना हुए।उन्होंने इसके लिए मात्र 75 रूपए शुल्क चुकाया।कार्यक्रम के पूर्व सारथी ऑनलाईन टैक्सी के ऑनर नितिन राय ने भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा,वरिष्ठ भाजपा नेता विनय मिश्रा,अजय खोत,सुनील तिवारी,सचिन शर्मा,सुधीर कसार, प्रवीण तिवारी,विपिन राय, भाजपा मंडल अध्यक्ष बिछिया नीरज भट्ट, समाज सेवी जगदीश राय, नीलेश राय का पुष्पमाला से स्वागत किया वहीं सहयोगी अमित ढकरिया ने सारथी ऑनलाईन टैक्सी कम्पनी की विशेषता के बारे में कहा कि जिले में पहली बार ओला,उबर बड़े शहरों की तर्ज में सारथी ऑनलाइन टैक्सी की शुरुआत की गयी है।उचित दाम व सुव्यवस्थित यात्रा में सहयोग के लिए सारथी की शुरुआत हुई है।उपस्थित लोगों को संस्थापक नितिन राय ने सारथी ऑनलाईन टैक्सी ने बारे में बताया कि खास तौर पर छोटे शहरों में देर रात शाम व दिन में महिलाओं,बच्चियों को कहीं जाना होता है तो ऑटो , टैक्सी मिल पाना मुश्किल होता है व किसी को कहीं गंतव्य के लिए उचित साधन उपलब्ध नहीं हो पाते हैं इसी बात को ध्यान में रखकर नागरिकों की सुरक्षा, व्यवस्था को ध्यान में रखकर हमने सारथी की शुरुआत किया है।यह एप 75 कि.मी. तक के रेंज पर काम करेगा। एप से बुक करके एक क्लिक से पूरे देश की यात्रा आप कर सकते हैं।सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों में जीपीएस,कुशल ड्राईवर की पूरी खबर रखी जायेगी जिसकी जानकारी एप को संचालित करने वाले आफिस से लेकर मालिक तक रहेगी। इस तरह पूर्णतः पारदर्शी व्यवस्था से पूर्ण एसी वाहन उपलब्ध होंगे। हमारी कोशिश है कि हम यात्रियों को पूर्ण सुविधाएं प्रदान करने कोशिश करेंगे।वही संचालक अमित ढकारिया ने बताया कि आपकी सुविधा के लिए सारथी ऑनलाइन टैक्सी आपके हर समय आपके साथ है।खास बात यह है हर लोकेशन की जानकारी आपको सारथी एप्प के माध्यम से दी जाएगी।सारथी ऑनलाइन टैक्सी बुकिंग सिस्टम एक वेब-आधारित प्लेटफॉर्म है जो आपके ग्राहकों को अपने घर या कार्यस्थल की सुविधा से टैक्सी और कार्यकारी टैक्सी बुक करने में सक्षम बनाता है।हमारी कोशिश है कि मंडला वासियों को महानगरों की दर्ज में सभी सुविधाएं उपलब्ध हो।

अब छात्रों के खातों में आएंगे यूनिफॉर्म के पैसे, हर छात्र को मिलेंगे 600 रुपये

भोपाल। प्रदेश सरकार स्कूल यूनिफॉर्म को लेकर बड़ा बदलाव करने वाली है। अब सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को यूनिफॉर्म नहीं बांटी जाएगी, बल्कि इसकी राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। सरकार की योजना के अनुसार, कक्षा 1 से 8वीं तक पढ़ने वाले लगभग 60 लाख विद्यार्थियों के खातों में 600-600 रुपये भेजे जाएंगे, ताकि वे खुद अपनी दो जोड़ी यूनिफॉर्म खरीद सकें। यह राशि एकमुश्त दी जाएगी और सीधे बैंक खातों में पहुंचेगी। अब तक राज्य सरकार द्वारा यूनिफॉर्म स्व-सहायता समूहों के माध्यम से वितरित की जाती थी, लेकिन इन यूनिफॉर्म की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। छात्रों और अभिभावकों ने खराब कपड़े और सिलाई पर आपत्ति जताई थी। शिकायतों के अनुसार कपड़ों की क्वालिटी बेहद खराब होती थी, जबकि रिकॉर्ड में उच्च क्वालिटी का कपड़ा बताया था। बच्चों की ड्रेस का साइज भी ठीक नहीं रहता था, जिससे उनको पहनने में छात्र-छात्राएं असहज महसूद करते थे। यहीं नहीं कई बड़े कॉन्ट्रैक्टर, स्व-सहायता समूह के नाम पर काम ले रहे थे। वहीं, असल में काम कर रहे स्व-सहायता समूह के सदस्यों को कोई काम भी नहीं मिल रहा था। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह नया फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय के लिए डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में होने वाली अगली कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव लाया जा सकता है। जिसमें चर्चा के बाद प्रस्ताव को स्वीकृति दी जा सकती है। इसको लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में एनसीसी रैंक सेरेमनी संपन्न

छतरपुर। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की रैंक सेरेमनी गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, प्रभारी कुलसचिव डॉ. दिगंत द्विवेदी, प्रोफेसर संजय सक्सेना तथा एनसीसी इकाई प्रभारी ज्योति देवी की विशेष उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान से हुआ। इसके उपरांत एनसीसी कैडेट्स को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर रैंक प्रदान की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की एनसीसी इकाई से कैडेट करन अनुरागी (सीनियर अंडर ऑफिसर), कैडेट नंदनी श्रीवास (सीनियर अंडर ऑफिसर), कैडेट अरविंद साहू (अंडर ऑफिसर), कैडेट विशाल चौरसिया (अंडर ऑफिसर), कैडेट प्रांजलि वर्मा (अंडर ऑफिसर) एवं कैडेट रागनी राय (अंडर ऑफिसर) को सम्मानपूर्वक रैंक दी गई।

कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा, ÷एनसीसी युवा शक्ति को अनुशासन, सेवा और नेतृत्व के मूल मंत्र सिखाती है। यह राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला संगठन है। हमारे कैडेट्स को अपनी क्षमताओं को और निखारकर देशहित में समर्पित करना चाहिए।÷चेयरमैन श्री पुष्पेन्द्र सिंह ने कहा कि एनसीसी प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्मबल, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का विकास होता है, जो उन्हें एक सशक्त नागरिक बनाता है।प्रभारी कुलसचिव डॉ. दिगंत द्विवेदी ने एनसीसी इकाई के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में और अधिक व्यापक गतिविधियों की योजना पर बल दिया।

जिला पंचायत सीईओ ने किया इकार्डा का निरीक्षण

सीहोर। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन सीहोर जिले के अमलाहा स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर एग्रीकल्चर रिसर्च इन दा ड्राई एरियास (इकार्डा) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इकार्डा द्वारा किये जा रहे कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने जल संरक्षण संवर्धन कार्य, आधुनिक खेती की तकनिकों, मनरेगा के तहत निर्मित किये जा रहे खेत तालाब, अमृत सरोवर, एकीकृत कृषि तकनीकी पद्धति आदि का अवलोकन किया और विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संस्था के वैज्ञानिक मनरेगा अंतर्गत निर्मित किये जा रहे खेत तालाब, अमृत सरोवर पर अध्ययन कर एकीकृत कृषि तकनीकी पद्धति पर जिला प्रशासन को सुझाव देंगे। इस कार्य मे संस्थान के वैज्ञानिक, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं मनरेगा का जनपद स्तरीय अमला मिलकर कार्य करेंगे। इससे खेत तालाब के हितग्राहियों को लाभ होगा और आधुनिक कृषि मछली पालन, उन्नत किस्म के फलदार पौधों, शहद उत्पादन जैसे कार्यों से उनकी आजीविका में भी सुधार होगा।

जून के दूसरे हफ्ते में सोने-चांदी की कीमतों में उतार चढ़ाव का दौर जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जून के दूसरे हफ्ते में सोने चांदी की कीमतों में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। अगर आप आज सोमवार को सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे है तो पहले आज 16 जून का ताजा भाव जान लीजिए। आज सोने के दाम में 170 प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमतों में 100 प्रति किलो की गिरावट आई है। नई कीमतों के बाद सोने और चांदी के भाव 1 लाख पार ट्रेंड कर रहे है। आज सोमवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 16 जून 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 93,200 , 24 कैरेट का भाव 1,01, 660 और 18 ग्राम सोने का रेट 76,260 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 09, 900 हजार रुपए चल रहा है। 18 कैरेट सोने का आज का भाव दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 76 260/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 76, 140/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 76, 180 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 76, 600/- रुपये पर ट्रेड कर रही है। 22 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 93, 100/- रुपये । जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 93, 200/- रुपये । हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 93, 050/- रुपये ट्रेंड कर रहा है। 24 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 1,01,156 रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 1,01,660/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 1,01, 510/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 1,01, 150/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 1,09, 900 /- रुपये चल रही है। चेन्नई, मदुरै , हैदराबाद,और केरल सराफा बाजार में कीमत 1,19,900/- रुपये। भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी की कीमत 1,09, 900/ रुपए ट्रेंड कर रही है।

पराली प्रबंधन को आसान बनाने किसानों को पंजाब सरकार दे रही ट्रैक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब सरकार पराली प्रबंधन को आसान बनाने के लिए 1100 किसानों को 50-60 HP के शक्तिशाली ट्रैक्टर उपलब्ध करा रही है। यह पहल किसानों को सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे आधुनिक यंत्रों के उपयोग में मदद करेगी, जिससे वायु प्रदूषण कम होगा और खेतों की उपजाऊ क्षमता बढ़ेगी।

धान की कटाई के बाद किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है पराली का प्रबंधन। फसल अवशेषों को जलाने से वायु प्रदूषण में वृद्धि होती है, जिससे न केवल पर्यावरण बल्कि स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए राज्य सरकार ने एक नई पहल की शुरुआत की है, जिसके तहत पंजाब के 1100 किसानों को बड़े और शक्तिशाली ट्रैक्टर दिए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य पराली प्रबंधन को आसान और कम खर्चीला बनाना है। पराली को जलाने की बजाय वैज्ञानिक तरीके से उसका प्रबंधन करना जरूरी है, जिसके लिए किसानों को कुछ खास कृषि यंत्रों की आवश्यकता होती है जैसे हैप्पी सीडर और सुपर सीडर। लेकिन इन यंत्रों को चलाने के लिए सामान्य 35-40 हॉर्सपावर वाले ट्रैक्टर पर्याप्त नहीं होते। इन मशीनों को सही ढंग से चलाने के लिए कम से कम 50-60 HP के ट्रैक्टर की जरूरत होती है। अधिकतर छोटे किसान या तो इस तरह के ट्रैक्टर खरीद नहीं पाते या किराये पर लेने में असमर्थ रहते हैं, जिससे वे पराली को जलाने पर मजबूर हो जाते हैं। राज्य सरकार ने इस समस्या का समाधान निकालते हुए ऐसे किसानों को 50 से 60 HP के ट्रैक्टर देने का निर्णय लिया है, जो पराली प्रबंधन के लिए उपयुक्त होंगे। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि खेतों में फसल अवशेषों का सही तरीके से प्रबंधन भी हो पाएगा। ट्रैक्टर मिलने से किसानों को किराए पर महंगे ट्रैक्टर लेने की आवश्यकता नहीं रहेगी और वे आधुनिक कृषि उपकरणों का बेहतर इस्तेमाल कर सकेंगे।

केवल पंजाब के किसानों को मिलेगा योजना का लाभ

यह योजना विशेष रूप से पंजाब राज्य के किसानों के लिए तैयार की गई है। खासकर उन छोटे और आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को ध्यान में रखकर, जिनके पास या तो ट्रैक्टर नहीं हैं या फिर ऐसे ट्रैक्टर हैं जो इन आधुनिक कृषि यंत्रों को नहीं चला सकते। इस योजना का लाभ अन्य राज्यों के किसानों को नहीं दिया जाएगा।

सुपर सीडरः पराली को मिट्टी में बदलने वाली मशीन

सुपर सीडर मशीन किसानों के लिए एक वरदान साबित हो सकती है। यह मशीन फसल के अवशेषों को काटकर मिट्टी में मिला देती है और साथ ही गेहूं या सरसों की बुवाई भी कर सकती है। जब यह अवशेष मिट्टी में मिलते हैं, तो वे धीरे-धीरे सड़कर खाद में बदल जाते हैं। इससे खेत की उर्वरता बढ़ती है और जमीन की नमी भी बरकरार रहती है, जो आनेवाली फसलों के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

हैप्पी सीडर एक ऐसी मशीन है जो फसल की कटाई के बाद बचे भूसे को हटाने और बीज की बुवाई एकसाथ करती है। यह भूसे को खेत में फैला देती है, जिससे यह एक प्रकार की मल्चिंग बन जाती है। यह प्रक्रिया मिट्टी की नमी बनाए रखने में सहायक होती है और बीजों के अच्छे अंकुरण को भी सुनिश्चित करती है। खेत में बिछा यह भूसा कुछ ही दिनों में सड़कर खाद बन जाता है, जो मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने में मदद करता है।

प्रदूषण से मिलेगी राहत

इस योजना से न केवल किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी, बल्कि इससे पर्यावरणीय स्तर पर भी बड़ा फायदा होगा। पराली जलाने से जो वायु प्रदूषण होता है, उसमें भारी कमी आएगी। मिट्टी की गुणवत्ता सुधरेगी, जल संरक्षण होगा और फसलों की उत्पादकता भी बेहतर होगी। यह पहल किसानों को आधुनिक कृषि की ओर बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी।

जहाज गिरा वैसे नहीं जैसे मशीनें गिरती हैं, गिरा जैसे भरोसा गिरता है

जैसे कोई राजा ऐलान कर रहा हो, हमने खज़ाना खोल दिया है, मृतक के रिश्तेदारों पे अहसान कर दिया है। लेकिन, जरा ठहरिए ये एक करोड़ की रकम आखि़र है क्या? जिस तरह घोषणापत्र होता है , लोकलुभावन, भावुक, और आंशिक रूप से झूठा , टोटली हवाबाजी वैसे ही इस मुआवज़े की कहानी है। असल में, ये रकम उस बीमा की है जिसे एयरलाइन ने पहले से लिया होता है, जिसके प्रीमियम पहले ही चुकाए जा चुके होते हैं। यह मुआवज़ा उनका नैतिक नहीं, बीमा-पॉलिसी के तहत कानूनी कर्तव्य है।

1 करोड़ कोई उपकार नहीं है,

यह वही बीमा है जो Montreal Convention, 1999 के तहत हर यात्री के लिए अनिवार्य होता है। अगर किसी विमान में मृत्यु होती है, तो एयरलाइन को कम-से-कम 128, 821 स्ष्क्रदेना होगा, यानी लगभग 1.4 करोड़ रुपये। बिना किसी कोर्ट केस के, बिना किसी आरोप के। अगर गलती साबित हो जाए तो इससे कहीं ज़्यादा।

(धारा 17) यदि यात्री की मृत्यु या चोट विमान में, चढ़ते/उतरते समय होती है एयरलाइन स्वतः दोषी मानी जाती है, भले वह अपनी गलती साबित न हो।

मुआवज़े की राशि

1. No-Fault Liability Limit:

लगभग 128,821 SDR (Special Drawing Rights)

यानी करीब ?1.4 करोड़ INR

(IMF द्वारा SDR तय होता है, यह डॉलर और यूरो के मुकाबले बदलता रहता है)

Air India का बीमा अक्सर nited India Insurance जैसी कंपनियां करती हैं। बीमा कंपनियां इस तरह के हादसों के लिए स्ंiability Payout Fund बनाकर रखती हैं।

इस फंड से परिवारों को रकम मिलती है।

Airlines को ये प्रीमियम सालाना लाखों डॉलर में चुकाना होता है। लेकिन भारत में इस रकम को ऐसे पेश किया जाता है। जैसे यह कंपनी की महानता का प्रतीक हो, जैसे यह ञ्जञ्ज संस्कृति की झलक हो, जैसे यह उदारता का भव्य प्रदर्शन हो।

यात्री की मौत हुई।

कोर्ट ने कहा कि यदि Montreal Convention लागू है, तो एयरलाइन की Strict Liability है।

एयरलाइन को मुआवज़ा देना पड़ा, बीमा ने भुगतान किया। यह भारत का प्रमुख कानून है जो Montreal Convention, 1999 को लागू करता है। इसमें यात्रियों, सामान और डाक के नुकसान/मृत्यु/चोट के लिए एयरलाइन की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। एयरलाइन को passengers और baggage के लिए अंतरराष्ट्रीय बीमा कराना अनिवार्य है। DGCA (Directorate General of Civil Aviation) भारत में इसका रेगुलेटर है। अब मीडिया एंकर माइक लेकर पीड़ित परिवार से पूछेगा आपको कैसा लग रहा है कि टाटा ने 1 करोड़ दिया? जैसे कोई पुरस्कार मिला हो, जैसे लॉटरी निकली हो। कोई ये नहीं पूछता कि हादसा क्यों हुआ? क्या विमान में तकनीकी खामी थी? क्या मेंटेनेंस में लापरवाही थी? क्या पायलट थका हुआ था? क्या रनवे पर गड़बड़ी थी? नहीं। हमारी सामूहिक चेतना को एक करोड़ की स्याही से शांत कर दिया गया। यह रकम बीमा कंपनियां देती हैं। Air India ने खुद बीमा कराया होता है,। हादसे के बाद बीमा कंपनी मुआवज़ा देती है। अपनी जेब से बहुत कम देती है, या कभी-कभी ष्टस्क्र के नाम पर थोड़ा ऐड कर देती है। एयरलाइंस को कानूनी रूप से अनिवार्य है कि वे हर यात्री के लिए थर्ड-पार्टी लायबिलिटी इंश्योरेंस कराएं। यह बीमा कंपनियां ही आमतौर पर मुआवज़े का भुगतान करती हैं। लेकिन ये बात कोई नहीं बताता। क्योंकि क्कक्र मैनेजमेंट इतना सशक्त है कि अब दुःख भी एक ब्रांडिंग अवसर बन चुका है। अब कल्पना कीजिए अगर अमेरिका में ऐसा हादसा होता,

तो airline को 10-20 करोड़ रुपये प्रति मृतक देने पड़ते, negligence के लिए कोर्ट में घसीटा जाता, सीइओ को इस्तीफ़ा देना पड़ता। भारत में? यहाँ 1 करोड़ की घोषणा के साथ-साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट आती है...

एमपी में यहां बन रही है देश की अगली हाईटेक सिटी, गिफ्ट सिटी और बीकेसी की तर्ज पर होगा विकास

भोपाल। भोपाल में बीएचईएल की 2200 एकड़ खाली जमीन पर मध्यप्रदेश सरकार एक आधुनिक हाईटेक टाउनशिप विकसित करने जा रही है, जिसमें आवास, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य की सभी सुविधाएं होंगी। यह प्रोजेक्ट केंद्र की मंजूरी के साथ 50-50 राजस्व साझेदारी मॉडल पर आधारित होगा और किफायती मकानों के जरिए आम जनता को लाभ मिलेगा। देश के प्रमुख बिजनेस हब जैसे गुजरात की गिफ्ट सिटी, दिल्ली की एयरो सिटी और मुंबई का बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स अब एक नए नाम की ओर इशारा कर रहे हैं- भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने राजधानी भोपाल में एक अत्याधुनिक हाईटेक टाउनशिप विकसित करने का बड़ा प्रोजेक्ट तैयार किया है। इस प्रोजेक्ट का मकसद केवल व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि यह एक रिहायशी और सर्व-सुविधायुक्त टाउनशिप के रूप में भी विकसित होगा, जहां बहुमंजिला आवासीय इमारतें, शॉपिंग सेंटर, हॉस्पिटल, स्कूल, और रिक्रिएशन स्पेस होंगे। सरकार ने इस टाउनशिप के लिए भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड की खाली पड़ी 2200 एकड़ ज़मीन को चुना है। इसमें से 1600 एकड़ ज़मीन राज्य सरकार बीएचईएल से वापस लेगी, जबकि बाकी ज़मीन पर बीएचईएल के साथ मिलकर डेवलपमेंट किया जाएगा। यह ज़मीन दशकों से इस्तेमाल में नहीं लाई गई थी- 1964 में बीएचईएल की स्थापना के बाद भी कुल 6000 एकड़ में से सिर्फ 3000 एकड़ ज़मीन का ही उपयोग हो पाया है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, बीएचईएल की ज़मीन का एक बड़ा हिस्सा करीब 764 एकड़ पर अतिक्रमण हो चुका है और 700 एकड़ पर निजी खेती की जा रही है। एम्स भोपाल के पास की ज़मीन पर भी अवैध निर्माण तेज़ी से हो रहे हैं, जिससे इसकी कीमतें भी आसमान छूने लगी हैं। ऐसे में इस ज़मीन का योजनाबद्ध तरीके से उपयोग करना न केवल ज़रूरी है बल्कि भविष्य के लिए लाभदायक भी साबित हो सकता है। चूंकि बीएचईएल केंद्र सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय के अधीन आता है, राज्य सरकार ने इस टाउनशिप प्रोजेक्ट का एक डिटेल प्रेजेंटेशन केंद्र को दिया, जिसमें भोपाल को मेट्रोपॉलिटन एरिया में बदलने के प्लान की रूपरेखा साझा की गई।

भारत को अर्थव्यवस्था के मामले में जापान की बराबरी करने में 50 साल लगेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान को पीछे छोड़कर भारत नॉमिनल जीडीपी के आधार पर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। लेकिन, अभी आगे का रास्ता आसान नहीं है। विश्लेषण करने पर कुछ चिंताएं जरूर सामने आती हैं। गुड़गांव स्थित स्टार्टअप के संस्थापक आशीष एस ने इसे लेकर लिंक्डइन पर अपनी राय शेयर की। उनकी यह पोस्ट सुर्ख़ियों में है।

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि भारत की वर्तमान प्रति व्यक्ति जीडीपी 1950 के दशक में जापान के बराबर है। नॉमिनल जीडीपी के आधार पर जापान से आगे निकलना अभी तो आसान नहीं लग रहा। इस उपलब्धि के बावजूद भारत को अभी भी प्रति व्यक्ति आय और जीवन स्तर के मामले में जापान के बराबर पहुंचने में लंबा समय लग सकता है। असमानता, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता और क्षेत्रीय विषमताएं भारत की प्रगति को बाधित कर रही हैं। आशीष एस के अनुसार, उत्तर प्रदेश भारत की पांचवीं सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था है। लेकिन, इसकी प्रति व्यक्ति जीडीपी अफ्रीका के तीन-पांचवें देशों से भी कम है। उन्होंने कहा कि यूपी भारत की पांचवीं सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था है। फिर भी इसकी प्रति व्यक्ति जीडीपी अफ्रीका के 60त्न देशों से कम है। यहां तक कि पीपीपी-समायोजित होने के बाद भी हम जापान के स्तर के पांचवें हिस्से (20त्न) से भी कम हैं।

जापान से के बराबर पहुँचने में 50 साल लगेंगे

उनका मानना है कि अगर जापान स्थिर रहता है, तो भी भारत को उसकी प्रति व्यक्ति आय तक पहुंचने में 22 साल लगेंगे। वास्तविकता में उनके जीवन स्तर से मेल खाने में 50 साल लग सकते हैं। 2025 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी लगभग 2,400 डॉलर है। यह केन्या, मोरक्को और कोटे डी आइवर से कम है और दक्षिण अफ्रीका, लीबिया और मॉरीशस जैसे देशों से बहुत पीछे है। कई अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाएं अब नॉमिनल और पीपीपी-समायोजित दोनों तरह से भारत से आगे हैं। इस मामले में भारत को नीचे रखने वाले फैक्टर्स में असमानता प्रमुख है। देश के शीर्ष 10त्न लोग देश की लगभग 57त्न आय अर्जित करते हैं, जबकि नीचे के 50त्न लोगों को केवल 15त्न मिलता है। इसके अलावा, 42त्न वर्कफोर्स अभी भी कृषि में लगा हुआ है, जो कम उत्पादकता वाला क्षेत्र है। यह जीडीपी में केवल 16त्न का योगदान देता है। यह असंतुलन समग्र उत्पादकता को कम करता है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में जहां बुनियादी ढांचा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा कमजोर हैं।

सबसे बड़ी समस्या क्षेत्रीय असमानता

स्टार्टअप के संस्थापक ने कहा कि क्षेत्रीय असमानता भी एक बड़ी समस्या है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्य विकास को बढ़ावा देते हैं। जबकि, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे अधिक आबादी वाले राज्य प्रति व्यक्ति आय के मामले में राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे हैं। भारत का विकास न केवल असमान है, बल्कि भौगोलिक रूप से केंद्रित भी है। स्मार्ट सिटीज मिशन और मेक इन इंडिया जैसी नीतियों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटीज मिशन या मेक इन इंडिया ने वास्तव में क्या हासिल किया' वे पूछते हैं, 'क्या कोई एक भी 'स्मार्ट सिटी' है मेक इन इंडिया लॉन्च होने के बाद से मैन्यूफैक्चरिंग की हिस्सेदारी क्यों घट गई है उनके अनुसार, आगे बढ़ने का रास्ता सुर्खियों में आने वाले मील के पत्थर नहीं हैं, बल्कि पाठ्यक्रम सुधार और वास्तविक जवाबदेही है। आशीष ने कहा कि जापान विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शहर नियोजन में इतना उन्नत है, सीखने और अनुकरण करने के लिए बहुत कुछ है। हम तभी जापान बनेंगे जब हम सही सवाल पूछेंगे।

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
1997 batch IPS empanelment to the rank of ADG in GoI on June 14
(WE SAID THIS ON JANUARY 31, 2025)
Empanelment of 1997 batch IPS officers to ADG rank soon
The empanelment of 1997 batch officers of Indian Police Service (IPS) to the rank of ADG in the Government is expected to take place in a month or two.

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
3rd World war looming large
(WE SAID THIS ON MARCH 10, 2025)
Russia, China & Iran military drills: Is third world war looming large?
After the US drifted apart from the military support to Ukraine, the world has divided into three parts with Russia, China and Iran announcing joint military drills off the coast of Iran this week. A third-world war is looming large in the coming time?

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
Present World scenario
(WE SAID THIS ON MARCH 03, 2025)
Major changes World wide expected by June
Indian astrologers say that Saturn will enter Pisces from March 29 and this will lead to World wide Changes.

कानून और न्याय : पंजाब और हरियाणा के बीच जल बंटवारे का ताजा विवाद

विनय झलावत

पंजाब और हरियाणा के बीच जल बंटवारे को लेकर तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पंजाब ने भाखड़ा-नांगल परियोजना के माध्यम से हरियाणा को अतिरिक्त 4,500 क्यूसेक पानी देने से इंकार कर दिया है। इस मुद्दे पर पंजाब में प्रमुख राजनीतिक दलों ने एकजुट होकर इस कदम का विरोध किया है। विवाद 23 अप्रैल को शुरू हुआ, जब हरियाणा ने अपने पष्चिमी जिलों में पीने के पानी की गंभीर कमी का हवाला देते हुए भाखड़ा-नांगल परियोजना से 8,500 क्यूसेक पानी मांगा। यह उसके सामान्य हिस्से से 4,500 क्यूसेक ज्यादा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और इस मामले को भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) में उठाया।

बीबीएमबी ने हरियाणा के अनुरोध को मंजूरी दे दी, जिसके पक्ष में हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के सदस्य राज्यों ने मतदान किया। हिमाचल प्रदेश ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया और पंजाब ने इसके खिलाफ मतदान किया। इस निर्णय के बावजूद, पंजाब ने नांगल बांध पर अतिरिक्त जलद्वार खोलने से इंकार कर दिया है। पंजाब द्वारा इस कदम को अभूतपूर्व और जबरन बताया गया है। हरियाणा सरकार ने अपने आवंटन को लागू करवाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर विवाद को सुलझाने के लिए केंद्र के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ को केंद्र ने सूचित किया कि उसने इस मुद्दे का सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए पहले ही प्रभावी कदम उठाए हैं। पीठ ने कहा कि हम दोनों राज्यों को सौहार्दपूर्ण समाधान पर पहुंचने में भारत संघ के साथ सहयोग करने का निर्देश देते हैं। पीठ ने कहा कि अगर तब तक यह मामला नहीं सुलझता है तो वह 13 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी।

केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पीठ से कहा कि हमने मध्यस्थता के लिए प्रयास किए हैं, लेकिन राज्यों को अपनी बात पर अमल करना होगा। एसवाईएल नहर की परिकल्पना रावी और व्यास नदियों से पानी के प्रभावी आवंटन के लिए की गई थी। इस परियोजना में 214 किलोमीटर लंबी नहर की परिकल्पना की गई थी। इसमें 122 किलोमीटर नहर पंजाब में और 92 किलोमीटर हरियाणा में बनाई जानी थी। हरियाणा ने अपने क्षेत्र में परियोजना पूरी कर ली है, लेकिन पंजाब ने सन् 1982 में निर्माण कार्य शुरू किया था। बाद में इसे पंजाब ने ठंडे बस्ते मे डाल दिया। दोनों राज्यों के बीच विवाद दशकों से चल रहा है। शीर्ष अदालत ने 15 जनवरी, 2002 को हरियाणा द्वारा 1996 में दायर एक मुकदमे में उसके पक्ष में फैसला सुनाया था और पंजाब सरकार को एसवाईएल नहर के अपने हिस्से का निर्माण करने का निर्देश दिया था।

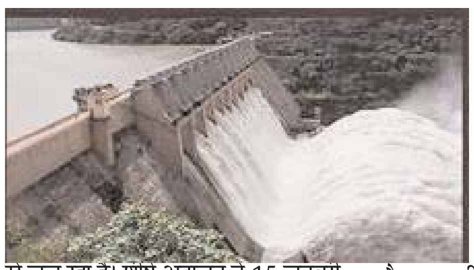

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में एक याचिका भी दायर की है। इसमें बोर्ड ने पंजाब द्वारा नांगल बांध के कथित अधिग्रहण के खिलाफ हस्तक्षेप की मांग की है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने उक्त याचिका पर सुनवाई करते हुए विवाद पर आपत्ति जताई और कहा कि हम अपने दुश्मन देश के साथ ऐसा कर रहे हैं। हमें अपने राज्यों के भीतर ऐसा नहीं करना चाहिए। पंजाब और हरियाणा के बीच बढ़ते जल विवाद ने उच्च न्यायालय को नाराज कर दिया है। जिसने आज कहा कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कदम उठाने का फैसला किया है। लेकिन देश के राज्यों को एक-दूसरे के खिलाफ ऐसा नहीं करना चाहिए। पंजाब ने हरियाणा को पानी देने से इंकार कर दिया है। राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें अपने हिस्से का एक भी बूंद पानी नहीं छोड़ने की कसम खाई है। अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद तब उत्पन्न होता है जब दो या दो से अधिक राज्य अपनी सीमाओं के पार बहने वाली नदियों के उपयोग, वितरण या नियंत्रण पर असहमत होते हैं।

अंतर्राज्यीय जल विवाद का मुख्य कारण जल के समान वितरण को लेकर अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम राज्यों के बीच संघर्ष है। जब कोई राज्य असमान हिस्से या अनुचित आवंटन से व्यथित महसूस करता है, तो समझौतों में अस्पष्टता अक्सर विवादों को बढ़ावा देती है। सूखे और बदलते मौसम के पैटर्न के कारण प्रतिस्पर्धा बढ़ जाती है। इसके अलावा राजनीतिक और चुनावी विचार विवाद समाधान को जटिल बनाते हैं। कृषि और औद्योगिक जल आवश्यकताओं के बीच तनाव। बेहतर बुनियादी ढांचे वाले अमीर राज्य जल पहुंच पर हावी हैं। अंत में लंबे समय तक चलने वाले न्यायाधिकरण या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले समाधान में देरी करते हैं। जल और इसके विभिन्न मामलों से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों को 3 सूचियों में सूचीबद्ध किया गया है। संघ सूची की प्रविष्टि 56, संसद द्वारा जनहित के लिए आवष्यक समझे जाने पर, अंतर्राज्यीय नदियों और नदी घाटियों को विनियमित और विकसित करने के लिए संघ सरकार को अधिकार प्रदान करती है। समवर्ती सूची की प्रविष्टि 32, यांत्रिक रूप से चालित जहाजों के संबंध में अंतर्देषीय जलमार्गों पर नौवहन और नौवहन तथा ऐसे जलमार्गों पर सड़क के नियम से संबंधित है। जबकि, राज्य सूची की प्रविष्टि 17, जल से संबंधित है, जिसमें जल आपूर्ति, सिंचाई, नहरें, जल निकासी, तटबंध, जल भंडारण और जल विद्युत जैसे पहलू शामिल हैं। संविधान संसद को अनुच्छेद 262 जैसे विवाद समाधान प्रावधानों से भी सशक्त बनाता है। अनुच्छेद 262 के अनुसार, जल से संबंधित विवादों के मामले में संसद को किसी भी अंतर्राज्यीय नदी या नदी घाटी में जल के उपयोग, वितरण या नियंत्रण से संबंधित किसी भी विवाद या शिकायत के निपटारे के लिए कानून बनाने का अधिकार है। संसद कानून के माध्यम से यह निर्दिष्ट कर सकती है कि न तो सर्वोच्च न्यायालय और न ही किसी अन्य न्यायालय को ऊपर बताए गए ऐसे विवादों या शिकायतों पर अधिकार क्षेत्र होगा। अनुच्छेद 262 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संसद ने नदी बोर्ड अधिनियम, 1956 पारित किया, जिसने केंद्र सरकार को राज्य सरकारों के परामर्श से अंतरराज्यीय नदियों और नदी घाटियों के लिए बोर्ड स्थापित करने का अधिकार दिया। अब तक इस अधिनियम के तहत कोई नदी बोर्ड स्थापित नहीं किया गया है। अंतर्राज्यीय जल विवाद अधिनियम, 1956 के तहत यदि कोई राज्य या राज्य न्यायाधिकरण का अनुरोध करते हैं तो केंद्र सरकार को पहले परामर्श के माध्यम से मुद्दे को हल करने का प्रयास करना चाहिए। असफल होने पर वह न्यायाधिकरण का गठन कर सकती है। अधिनियम के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए अवार्ड या फार्मूले पर सवाल नहीं उठाएगा, लेकिन वह न्यायाधिकरण के कामकाज पर सवाल उठा सकता है।

आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा क्षेत्र में शनिवार शाम तेज बारिश के साथ आकाशी बिजली से एक महिला की मौत हो गई तथा दो लोग बुरी तरह झुलस गये जिन्हे जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा भेजा गया है जानकारी के अनुसार शनिवार शाम को जंगली खेड़ा निवासी 50 वर्षीय सिया बाई पति सुखचंद डेहरिया अपने घर के आंगन में खड़ी थी ,तभी तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली सिया बाई पर आकर गिरी जिसकी चपेट में आने से सिया बाई की मौत हो गई, वहीं ग्राम मरकावाड़ा मैं खेत में काम करते वक्त आकाशीय बिजली गिर जाने से मरकावाड़ा निवासी 50 वर्षीय महंत पिता जगत सिरसाम तथा प्रेम कुमारी पति मायाराम उम्र 25 वर्ष आकाशीय बिजली गिरने से दोनों के झुलस जाने से उन्हें अमरवाड़ा सिविल अस्पताल लाया गया जहां से उन्हें जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा रेफर कर दिया गया है जहां दोनों के इलाज जारी है।

वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई

अमरवाड़ा। पुलिस थाना स्टाफ थानेदार राघवेंद्र उपाध्याय, उप निरीक्षक रजनीश सोनी प्रधान आरक्षक जय सिंह बघेल,महिला आरक्षक राजकुमारी बघेल एवं आरक्षक काजल ने अमरवाड़ा के चौरई एवं छिंदवाड़ा मार्ग पर उन टू व्हीलर वाहन चालकों जिन्होंने हेलमेट नहीं लगाया एवं बिना सीट बेल्ट बांधे फोर व्हीलर चलाने वाले चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई, आज की इस कार्रवाई में 13 वाहन चालकों से से 4500 रुपए समन शुल्क वसूल कर हिदायत दी गई कि भविष्य में यदि मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन करते पाए गए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लोकतंत्र सेनानियों का मुख्यमंत्री निवास पर होगा सम्मान

26 जून को लोकतंत्र सेनानी पहुचेंगे मुख्यमंत्री निवास भोपाल

छिंदवाड़ा। लोकतत्र सेनानी संघ के प्रदेश सचिव एवं जबलपुर संभाग प्रभारी अजय औरंगाबादकर ने बताया कि आपातकाल की 50 वीं वर्षगाठ पर मध्यप्रदेश के लोकतंत्र सेनानीयों के परिवार एवं लोकतंत्र प्रहरी का सम्मेलन दिनांक 26 जून, दिन गुरूवार सुबह 11 बजे प्रारंभ मुख्यमंत्री निवास पर होगा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन यादव जी लोकतंत्र सेनानीयों का सम्मान करेंगे। मुख्यमंत्री निवास पर सुरक्षा की दृष्टि से जाने के लिए प्रत्येक लोकतंत्र सेनानी के जिलाध्यक्ष को प्रवेश पत्र दे दिए गए है । समस्त लोकतंत्र सेनानियों से निवेदन है कि वह अपने-अपने जिले के अध्यक्षों से अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर ले। जिससे समय पर असुविधा ना हो। औरगाबादकर ने बताया कि संभाग से लोकतंत्र सेनानी एवं लोकतंत्र प्रहरी परिवार सहित लगभग 1500 भोपाल पहुंचेंगे।

जिले में अभी तक 39 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 39 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 31 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 15 जून 2025 को प्रात~8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 32.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 15 जून 2025 को प्रात~ 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील छिंदवाड़ा में 42.2, मोहखेड़ में 9.2, तामिया में 30, अमरवाड़ा में 40.2, चौरई में 11, हर्रई में 23.8, बिछुआ में 14.6, परासिया में 31.1, जुन्नारदेव में 27.8, चांद में 47.2 और उमरेठ में 80.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 53.8, मोहखेड़ में 9.2, तामिया में 55, अमरवाड़ा में 61.4, चौरई में 14, हर्रई में 27.8, बिछुआ में 15.2, परासिया में 33.3, जुन्नारदेव में 31.4, चांद में 48 और उमरेठ में 82.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

छायादार, औषधीय एवं फलदार पौधों का किया गया रोपण

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के आव्हान पर छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक

अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में सामाजिक क्षेत्र में निरंतर कार्य करने वाली परिषद की नवांकुर संस्था सेवा संकल्प वेलफेयर सोसाइटी द्वारा अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत छायादार, औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण व जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। संस्था अध्यक्ष चंद्रकांत विश्वकर्मा ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम एक अभियान है जो मातृभूमि और प्रकृति के प्रति सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। इसका उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना है, जो पर्यावरण की रक्षा करेगा और एक समृध्द भविष्य में योगदान देगा। यह एक स्थायी स्मृति बनाने का प्रयास है, जो मां और प्रकृति दोनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। यह अभियान एक पेड़ माँ के नाम न केवल एक पेड़ लगाने का कार्य है, बल्कि यह एक गहरा भावनात्मक और पर्यावरणीय संदेश भी देता है । इस अवसर पर परिषद की नवांकुर संस्था सेवा संकल्प सोसाइटी के सचिव संदीप अग्निहोत्री, वरिष्ठ सहयोगी इमरत चक्रवर्ती, सुश्री आराधना शुक्ला, अमित राय, भावना बनारसे, सपना सोनी, कमलेश डेहरिया, विजय बहादुर वर्मा, नितिन गडकरी, राकेश, विशाल सहारे, प्रहलाद अहिरवार व अनुज चौकसे आदि उपस्थित थे।

मुनि श्री 108 महासागर जी महाराज ससंघ का हो रहा मंगल विहार

अमरवाड़ा। आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 महासागर महाराज दो क्षुल्लक महाराज ससंघ छिंदवाड़ा चातुर्मास के लिए मंगल विहार हो रहा है शनिवार को अमरवाड़ा के 20 किलोमीटर दूर आचार चर्या संपन्न हुई और अमरवाड़ा छिंदवाड़ा की ओर बिहार होकर शनिवार को रात्रि विश्राम जुंगावानी में हुआ और रविवार को आहारचर्या करवडोल में संपन्न होगी इस मौके पर छिंदवाड़ा जैन समाज सिंगोड़ी अमरवाड़ा समाज के लोग मौजूद रहे।

नीट के लिए क्वालीफाई हुए...

सरकारी स्कूलों के छात्रों ने बाजी मारी

कलेक्टर के भरोसे पर पुनः खरे उतरे सरकारी स्कूलों के शिक्षक और विद्यार्थी, आदिवासी विकासखंड के विद्यार्थियों ने भी पाई सफलता

छिन्दवाड़ा । सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की दक्षता और यहां के विद्यार्थियों की क्षमता पर शुरुआत से ही पूरा भरोसा रखते हुए कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने गत वर्ष जुलाई माह से जिले में एक नवाचार शुरू किया था। जिसके तहत जिले के सभी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्रतिदिन जे.ई.ई. और नीट की तैयारी के लिए एक अतिरिक्त पीरियड लगाया गया। समय-समय पर कार्यशालाएं आयोजित कर सरकारी स्कूलों के इन शिक्षकों को प्रेरित किया गया। कलेक्टर सिंह के प्रयासों से इंदौर के एक फेमस कोचिंग संस्थान एलेन की फैकल्टी के माध्यम से भी जिले में कार्यशाला आयोजित की गई और शिक्षकों तथा विद्यार्थियों का जेईई, नीट की तैयारी के संबंध में ओरिएंटेशन किया गया। इसके साथ ही इसी कोचिंग संस्थान के माध्यम से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए इन परीक्षाओं के नोट्स और अध्ययन सामग्री हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के बाद पुनः कुछ सरकारी स्कूलों को स्टडी सेंटर बनाते हुए इन परीक्षाओं की तैयारी के लिए एलेन की ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराई गई। लगातार टेस्ट पेपर सॉल्व करवाए गए और बच्चों को आ रही कठिनाइयां दूर की गई। इस कार्य में जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.एस.बघेल, सहायक संचालक जनजातीय कार्य विभाग श्री उमेश सातनकर, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य श्री अवधूत काले और सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों और विषय शिक्षकों का पूर्ण समर्पण और सहयोग प्राप्त हुआ। परिणाम स्वरूप जिले में पहली बार बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी जे.ई.ई. एडवांस के लिए क्वालीफाई होने के बाद, अब जिले के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने नीट 2025 परीक्षा में भी फिर से बाजी मारी है।

नीट की परीक्षा में जिले के सरकारी स्कूलों के लगभग 1400 विद्यार्थी शामिल हुए थे, समाचार लिखे जाने तक 50 बच्चों के रिजल्ट प्राप्त हो चुके हैं, जिन्होंने नीट परीक्षा क्वालीफाई कर ली है। इन विद्यार्थियों में जिले के आदिवासी विकासखंडों के स्कूलों के विद्यार्थी भी शामिल हैं। शेष विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम एकत्र किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि नीट अर्थात राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा एक अखिल भारतीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है, जो भारत में मेडिकल (एम.बी.बी. एस, बी.डी.एस आदि) और डेंटल कॉलेजों में स्नातक (यू.जी.) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में क्वालीफाई हुए जिले के सरकारी स्कूलों के इन विद्यार्थियों का डॉक्टर बनने का सपना अब साकार हो सकेगा।

कलेक्टर ने दी बधाई - नीट 2025 की परीक्षा में चयनित सरकारी स्कूलों के सभी विद्यार्थियों को कलेक्टर श्री सिंह ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी. एस.बघेल और सहायक संचालक जनजातीय कार्य विभाग श्री उमेश सातनकर और दोनों विभागों के अंतर्गत संचालित हायर सेकेंडरी स्कूलों के सभी प्राचार्यों और शिक्षकों की सराहना की है। साथ ही अतिरिक्त कक्षाओं में संलग्न सभी विषय शिक्षकों और विद्यार्थियों की लगन व मेहनत की सराहना की और बहुत- बहुत आभार व्यक्त किया है।

मंत्री के संरक्षण में चल रहे हैं खुलेआम रेतअवैध कारोबार भारी वाहन बन रहे हैं दुर्घटना का कारण

गाडरवारा। नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में परिवहन एवं शिक्षा मंत्री उदय राव प्रताप सिंह के संरक्षण में उनके समर्थक छुट भैया नेता जुआ सट्टा अवैध शराब एवं एनटीपीसी से भारी वाहनों की आवाजाही दुर्घटना का कारण बन रही है जिससे लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं। मंत्री के समर्थक ट्रक चालक का आडियो जारी हुआ है जो चर्चा का विषय बना हुआ है। एनटीपीसी में मंत्री के संरक्षण में उनके समर्थकों के बड़े-बड़े ट्रक डस्ट ढोने में लगे हुए हैं। आए दिन इस क्षेत्र में स्थानीय नागरिक दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं दुर्घटना के बाद ट्रकों के चालक कहते हैं आप हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते हमें परिवहन मंत्री जी का आशीर्वाद प्राप्त है अधिकारी भी दुर्घटना के बाद त्रिकोण पर कार्रवाई करने से बचते हैं क्योंकि ट्रक के मालिकों को क्षेत्रीय विधायक एवं मंत्री का आशीर्वाद प्राप्त है एनटीपीसी के अधिकारी कर्मचारी भी दबाव में अपना मुंह नहीं खोल पाते हैं एनटीपीसी में किसके ट्रक लगे हैं किसकी सिफारिश पर लगे हैं यह जांच का विषय है।

11 वर्ष के मोदी के कार्यकाल में समाज के हर वर्ग का हुआ कल्याण: प्रमोद शर्मा

छिंदवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर रविवार को भाजपा छिंदवाड़ा नगर पातालेश्वर मंडल में विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित की गई। नगर निगम क्षेत्र वार्ड क्रमांक 18 सुकलूढाना में आयोजित इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार ने पिछले 11 वर्षों में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र के साथ देश के गरीब, वंचित और आम नागरिकों के कल्याण हेतु अभूतपूर्व कार्य किए हैं। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने न केवल करोड़ों लोगों का जीवन स्तर सुधारा है, बल्कि उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार भी दिलाया है। समाज के प्रत्येक वर्ग तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचा है।अंत्योदय का उत्थान एवं गरीब कल्याण विशेष रूप से पिछले 11 वर्षों में देश के कोने-कोने में देखने को मिला है। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता नगर निगम सभापति प्रमोद शर्मा द्वारा बताया गया कि मोदी सरकार के नेतृत्व में किसानों, महिलाओं, युवाओं के विकास के साथ ही, देश की सुरक्षा भी सशक्त हुई है। देश की आम जनता का पूर्ण विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली मोदी सरकार में देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता पीतांबर डोडानी, भाजपा नगर महामंत्री राजकुमार बघेल, सभापति बलराम साहू, नीरज भारद्वाज, संतोष जैन सरल, मनोज कुशवाहा, संजीव यादव, अमित माहौरे, कुंदन मिगलानी, प्रहलाद यादव, मिलाप चौहान, हरनाम सिंह भट्टी, श्रीमती ममता ठाकुर, अमिता बरहैय्या, ज्योति विश्वकर्मा, रानी सूर्यवंशी, धर्मेंद्र वंशकार, संतोष ठाकुर, समीर दुबे, अमीन अंसारी, संजय वर्मा, रंजू अर्जुनवार, सनी मालवी, शंकर लाल वंशकार सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति आम नागरिकगण एवं सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं के हितकारी उपस्थित थे।

घरेलू विद्युत कनेक्शन के लिए उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी

विद्युत कंपनी के नियमों को ढेंगा दिखा रहे अधिकारी

छिंदवाड़ा। म. प्र. पू. क्षे. वि. वि. कं. लि. ने नये विधुत कनेक्शन के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया का प्रावधान तो किया है जिसके तहत् दावा किया जाता है कि उपभोक्ता घर बैठे आवेदन कर सकता है परंतु हकीकत में बिजली विभाग के दफ्तरों में नये कनेक्शन के लिये मैन्युअली आवेदन देने के लिए दबाव डाला जाता है तथा उपभोक्ताओं को नियमों व अन्य दस्तावेज के नाम प्रताड़ित किया जाता है।उक्त आशय के आरोप जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से लगाते हुए जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय व शहर कांग्रेस बिजली समस्या के अध्यक्ष राहुल दुबे ने बताया कि विधुत वितरण कंपनी के नियमानुसार यदि कोई उपभोक्ता नया घरेलू कनेक्शन लेना चाहता है तो उसे केवल चार दस्तावेज मकान का स्वामित्व प्रमाण, आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं टेस्ट रिपोर्ट के साथ आनलाइन आवेदन करना होता है कंपनी के नियमों के मुताबिक़ तीन कार्य दिवस के भीतर बिजली कनेक्शन प्रदाय करना अनिवार्य है। तय प्रावधानों के विपरीत विभागीय अधिकारी व कर्मचारी कंपनी के नियमों को ताक पर रख कर उपभोक्ताओं को दफ़्तर के चक्कर लगवाकर विधुत कनेक्शन प्रदान करने में आनाकानी करते हैं। नेताद्वय ने आगे बताया कि विधुत वितरण कंपनी के द्वारा तय किए गए स्पष्ट नियमों के बाद भी उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ती है विभागीय अधिकारीगण आनलाइन आवेदन करने से न केवल रोकते है बल्कि अतिरिक्त अनावश्यक दस्तावेज मांग कर प्रक्रिया को जटिल बना देते है जिससे उपभोक्ताओं को दफ्तरों के अनावश्यक चक्कर लगाने पड़ते हैं विधुत विभाग के कर्मचारियों द्वारा नियमों की अनदेखी कर आवेदनों को दबाकर रखा जाता है एवं उपभोक्ताओं को परेशान किया जाता है यह उपभोक्ताओं के अधिकारों का सीधा उल्लघंन है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली मानसिकता का प्रतीक है।आम जनता को घरेलू कनेक्शन प्रदाय करने के लिए कंपनी ने पारदर्शी एवं समयबद्ध प्रक्रिया तय की है परंतु अधिकारियों द्वारा स्वेच्छाचारी नीति अपनाते हुए जनता को परेशान किया जाता है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने हेतु सभी की सहभागिता जरूरी: परमजीत

गुलाबरा मंडल ने किया सेवा सुशासन, गरीब कल्याण संकल्प सम्मेलन

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी गुलाबरा नगर मंडल द्वारा केन्द्र की मोदी सरकार के सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 साल पूरे होने पर सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला महामंत्री परमजीत सिंह विज अपने उद्बोधन में कहा कि। मोदी सरकार देश की ओर आंख दिखाने वाले आतंकवादियों को ईट का जबाव पत्थर से देने में सक्षम है । उन्होंने मोदी सरकार के विकसित भारत को 2047 के विजन के बारे में बताते हुए संकल्प से सिद्धी हेतु सभी से सहभागिता निभाने की अपील की । महापौर विक्रम अहाके कहा कि भाजपा सरकार ने लाडली बहना, लाडली लक्ष्मी, उज्जवला योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं का मान-सम्मान बढ़ाने का काम किया है । भाजपा की रीति-नीति समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की है । मंडल अध्यक्ष श्रीमती लीला बजोलिया ने मोदी सरकार की 11 साल की सेवा सुशासन, गरीब कल्याण की योजनाओं को गिनाया । उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विकास केवल कागजों तक ही सीमित था वहीं भाजपा सरकार के कार्यकाल में जनता विकास को देख भी रही है और महसूस भी कर रही है। मोदी सरकार ने आवास विहीन गरीबों को छत देने एवं महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है । कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों ने भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण किया। स्वागत उद्बोधन वरिष्ठ भाजपा नेता राजू नरोटे द्वारा किया गया । कार्यक्रम में उपस्थित मंडल अंतर्गत उपस्थित बूथ अध्यक्षों एवं विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। अतिथियों द्वारा उपस्थितजनों को विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूर्ण करने की शपथ दिलाई गई।

गुम्मच के कलश, पादुका और माताजी को कराया नगर भ्रमण

छिन्दवाड़ा। गुलाबरा स्थित शारदा माता मंदिर में त्रिदिवसीय शिखर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ शनिवार को किया गया। उक्त समारोह के दूसरे दिन 15 जून को मंडप पूजन, अन्नाधिवास, धृताधिवास, पुषाधिवावास, फलाधिवास, नगरभृमण एवं शयाधिवास का आयोजन हुआ। इस दौरान गुम्मच के कलश, माताजी की पादुका और माताजी को नगरभ्रमण कराया गया। जिसमें शारदा मंदिर गुलाबरा से गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा शारदा मंदिर गुलाबरा से प्रारंभ होकर षष्ठी माता मंदिर पहुंची, जहां पर विधि विधान से पूजन अर्चन कर शोभायात्रा वापिस शारदा मंदिर गुलाबरा पहुंची। मंदिर में सुबह से ही अनुष्ठानों का कार्यक्रम प्रारंभ हो गया था जो देर शाम तक चलता रहा। इस दौरान मंडप पूजन, अन्नाधिवास, धृताधिवास, पुषाधिवावास, फलाधिवास एवं शयाधिवास का आयोजन किया गया। वार्ड 43 की पार्षद श्रीमती शिवानी बंटी सक्सेना ने बताया कि गुलाबरा स्थित शारदा मंदिर वर्षो पुराना है जिसका लंबे समय से जीर्णोद्वार नहीं हो पाया था। इस संबंध में सांसद बंटी विवेक साहू से चर्चा कर मंदिर के जीर्णोद्वार के लिए सहयोग की बात हुई थी। जिस पर सांसद बंटी विवेक साहू ने तत्काल ही सहमति जताते हुए मंदिर का शीघ्र ही जीर्णोद्वार किये जाने की बात कही थी। सांसद बंटी विवेक साहू ने शारदा मंदिर का जीर्णोद्वारा कराया है। उन्होंने बताया कि जीर्णोद्वार के बाद मंदिर में विधि विधान से त्रिदिवसीय शिखर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जा रहा है। शारदा मंदिर समिति द्वारा बताया गया है कि अंतिम दिन 16 जून को महाअभिषेक, प्रतिष्ठा, शिखर आरोहण, हवन, पूर्णाहुति एवं भंडारा महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक मंदिर में विधि विधान से पूजन अर्चन किये जायेंगे।

सरकार मूंग 8682 तथा उड़द 7400 रुपए प्रति क्विंटल खरीदेगी

छिंदवाड़ा । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय पटेल ने बताया कि किसानों की मांग पर मध्यप्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी करने का आदेश जारी किया है । आगामी 19 जून से उपार्जन हेतु पंजीयन प्रारंभ हो जाएगा तथा शीघ्र ही मूंग एवं उड़द की खरीदी सरकार आरंभ करेगी। इसमें मूंग 8682 रूपये प्रति क्विंटल तथा उड़द 7400 रूपये प्रति क्विंटल की दर से सरकार खरीदेगी। बिजली की उपलब्धता एवं सिंचाई के साधन के कारण अब किसान बड़ी संख्या में मूंग एवं उड़द की फसल गर्मी के मौसम में लगा रहे है जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार ने किसानों के हित में निर्णय लेते हुए ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए 19 जून से पंजीयन प्रारंभ करने की घोषणा की है । सरकार किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कृषि आधारित उद्योग लगाने में भी मदद कर रही है । किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम मिले इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है । किसाना मोर्चा के जिला महामंत्री अलकेश साव, सिपतराम यदुवंशी ने किसानों से आग्रह किया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन हेतु संबंधित किसानों को पंजीयन के लिए फसल का नाम, आधार नम्बर, बैंक खाता नम्बर, आईएफएससी कोड सहित भू-अधिकार ऋण पुस्तिका की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक होगा । बैंक खाता राष्ट्रीयकृत बैंक एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखा का होना अनिवार्य होगा तथा उपार्जन केंद्रो पर किसानों की सुविधा के लिए व्यवस्था उपार्जन समिति भी कार्य करेंगे । मध्यप्रदेश सरकार किसानों की सरकार है तथा वह किसानों के हित में लगातार फैसले कर रही है । किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री संजय सक्सेना ने बताया कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी 32 लाख टी.सी. कनेक्शनधारियों को सोलर सिंचाई पम्प उपलब्ध कराने वाले है इसमें प्रत्येक वर्ष 10 लाख किसानों को सिंचाई सुविधा सोलर पम्प के माध्यम से उपलब्ध होगी इसमें किसानों को मात्र 10 प्रतिशत राशि ही देनी होगी बाकी राशि प्रदेश की सरकार देगी ।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना के मृतकों के लिए गीता पाठ और तर्पण किया

छिंदवाड़ा (लिंगा)। परम् पूज्य संत आसाराम बापू की पावन प्रेरणा से आज लिंगा आश्रम में अहमदाबाद प्लेन दुर्घटना में मारे गए लगभग 317 लोगों के मोक्ष हेतु श्री मद भगवदगीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर विधिवत तर्पण किया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने बताया कि अहमदाबाद प्लेन दुर्घटना बेहद ही दुःखद खबर है । हमारे शास्त्रों में आता हैं कि जिस व्यक्ति का शरीर छूट गया है उनके मोक्ष हेतु तीसरा , तेरहवीं , अस्थि विसर्जन , गंगा पूजन का विधान है। समय पर यह सब ना कर पाएं तो श्री मद भगवदगीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर पुण्य अर्पण करने का भी विधान है। गंगा पूजन के साथ यह पाठ भी कर सकतें हैं । संस्था समय- समय पर जिले के गणमान्य नागरिकों और सीमा पर सेवाए दे रहे सैनिक जिनका शरीर छूट जाता है उनके लिए गीता पाठ कर पुण्य अर्पण करती हैं । अहमदाबाद प्लेन दुखद दुर्घटना देश वासियों को सोचने पर मजबूर करती हैं । प्लेन में सवार लगभग 244 लोग 30 सेकेंड में जल कर खत्म हो गए। उन लोगों के मृत शरीर पहचान करना मुश्किल है । पर उसी प्लेन से भगवदगीता पूज्य ग्रन्थ नहीं जला और एक व्यक्ति भी जिंदा बच गया। यह प्रकृति का चमत्कार है । इसलिए प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर की या गुरु की शरण में रहकर ध्यान, भजन , पूजन और परहित की सेवाएं करनी चाहिए । रुपये, पैसे हर जगह काम नहीं आते । आज लिंगा आश्रम में सैकड़ों साधकों ने उपस्थित होकर गीता पाठ कर पुण्य अर्पण किया।

पुलिया निर्माण में लापरवाही, निर्धारित मानकों के विपरीत कराया गया निर्माण कार्य

विश्व भूषण पांडेय शहडोल(सांध्य प्रकाश)। सरकार द्वारा लगातार ग्रामो के विकास के लिये करवाये जा रहे तमाम कार्यो के बीच जिले के जनपद गोहपारू अंतर्गत ग्राम सकरिया मे निर्माण कार्य मे लापरवाही बरतने करने का मामला प्रकाश मे आया है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिया निर्माण कार्य मे दोयम दर्जे की सामग्री का उपयोग किया गया है जिससे पुलिया कुछ ही दिनों मे ध्वस्त हो सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सकरिया मे हीरालाल के खेत के पास विधायक निधि से बीते कुछ समय पहले लगभग 4 लाख रूपये की लागत से पुलिया निर्माण कार्य कराया गया है। ग्रामीणों की माने तो निर्माण कार्य मे बेस मे निर्धारित मानक के विपरीत हेंड ब्रोकन का उपयोग किया गया है। इससे पुलिया के नीव पर मजबूती न होने से जल्द ही पुलिया क्षतिग्रस्त होने की बात कही जा रही है।

चोरी की रेत की गयी उपयोग : स्थानीय ग्रामीणों की माने तो पुलिया निर्माण कार्य मे गांव के ही आसपास के नदी नालो से चोरी की गयी रेत का उपयोग पुलिया निर्माण कार्य मे करते हुए जिम्मेदारो द्वारा रेत खरीदी का बिल दर्शाते हुए शाशन को भ्रमित करने का कार्य किया गया है। जिसके चलते पुलिया को पूर्ण हुए अभी कुछ ही दिन बीते है और पुलिया मे किया गया प्लास्टर टूटने लगा है। इससे पहली ही बरसात मे पुलिया क्षय होने की संभावना जाहिर की जा रही है।

पुलिया निर्माण मे नहीं किया गया प्राकलन बोर्ड उपयोग : सरकार द्वारा प्रत्येक निर्माण कार्य मे स्पष्ट रूप से आदेशित किया गया है की निर्माण कार्य के शुरू होने से लेकर कार्य पूर्ण होने के बाद तक प्राकलन बोर्ड का इस्तमाल किया जाना है जिससे निर्माण कार्य की लागत, बनने का दिनांक जैसे तमाम जानकारिया साझा हो सके लेकिन इसके विपरीत सकरिया मे हुए पुलिया निर्माण कार्य मे किसी भी प्रकार के बोर्ड का उपयोग नहीं किया गया है। इससे भी जिम्मेदारो की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे है।

उपयंत्री और सचिव की मिलीभगत से निर्माण मे हुई लापरवाही : निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय लोगो की माने तो उपयंत्री और ग्राम के सचिव द्वारा उक्त निर्माण कार्य मे निर्धारित मानको के विपरीत तानाशाही करते हुए निर्माण कार्य कराया गया है जिसके चलते पुलिया आने वाले पहली बरसात को नहीं झेल पायेगी। विदित हो गोहपारू क्षेत्र मे पदस्थ उपयंत्री सुभाष प्रसाद की कार्यशैली पर लगातार गंभीर सवाल क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा लगाए जाते रहे है, उपयंत्री के कार्यक्षेत्र मे हुए तमाम विकास कार्यो को यदि सूक्ष्मता से जांच कराई जाए तो निश्चित ही विकास कार्यों मे की गयी लीपापोती प्रत्यक्ष हो सकती है ऐसे तमाम विषय कई बार सामने आ चुके है बावजूद जनपद मे आसीन जिम्मेदारो द्वारा इस ओर कोई कठोर कार्यवाही न कर सम्बंधित उपयंत्री को अभयदान देना, जिम्मेदारो की मिलीभगत जैसे तमाम सवाल आज क्षेत्र की जनता के बीच जनचर्चा का प्रमुख विषय बने हुए है।

इनका कहना है

अभी संभव नहीं है जानकारी पंचायत पहुंचकर उपलब्ध करा पाऊंगा।

बेसाहू सिंहसचिव ग्राम पंचायत सकरिया

बोर्ड पहले लगाया गया था, आज की स्थित मे जानकारी नहीं है, बाकी काम सही हुआ है।

सुभाष प्रसाद
इंजिनियर जनपद पंचायत गोहपारू जिला शहडोल

11 वर्षो में मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी

सौसर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प सिद्धि के गौरवशाली 11 वर्ष पूर्ण होने पर मध्यप्रदेश प्रदेष जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर द्वारा पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड, जिला प्रभारी अनिल कुशवाह, जिलाध्यक्ष संदीप मोहोड, प्रदेष प्रवक्ता एड अजय धवले, वरिष्ठ नेता संतोष जैन, पूर्व जिलाध्यक्ष राजु परमार की उपस्थिति में प्रेस वार्ता ली। नागर ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार जन आधारित और पारदर्षी शासन का प्रतीक है। बिते 11 वर्षो में मोदी ने आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नीवं रखी है। जिसके परिणाम स्वरूप हम विकसित भारत और अमृतकाल को जमीन पर उतरते देख रहे है। विगत 11 वर्षो में भारत ने गरीब और जनकल्याण के अभूतपूर्व कार्य किये जो देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरो में लिखे जायेंगे। मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रहित के कई साहसिक और ऐतिहासिक फैले लिये है। जिसमें अनुच्छेत 370 हटाना है।

इंदौर के कपल सोनम और राजा रघुवंशी का नया वीडियो सामने आया

कैमरे में कैद हुई सजिश, हाथ में डंडा लिए नजर आई सोनम

भोपाल। इंदौर के चर्चित कपल सोनम और राजा रघुवंशी के मामले में रोजाना चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में इन दोनों का एक नया वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कपल मेघालय के एक घने जंगल में ट्रैकिंग करता दिखाई देता है। यह फुटेज एक पर्यटक ने अपने व्लॉग के दौरान रिकॉर्ड किया था, जो अब सामने आया है। इस वीडियो को 23 मई 2025 की सुबह करीब 9.45 बजे का बताया जा रहा है, जब ये कपल नोगरीट गांव में रात बिताने के बाद डबल डेकर रूट ब्रिज की ओर ट्रैकिंग करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो को साझा करने वाले शख्स देव सिंह ने बताया कि उन्होंने यह रिकॉर्डिंग अपनी यात्रा के दौरान की थी, लेकिन बाद में जब उन्होंने इसे दोबारा देखा तो एहसास हुआ कि ये वही कपल है, जिसकी हत्या का मामला अब सुर्खियों में है।

तो जांच को मिल सकता है नया मोड़- यदि यह वीडियो जांच में शामिल किया जाता है तो यह साफ हो सकता है कि घटना से ठीक पहले कपल की गतिविधियां क्या थीं और कौन-कौन उनके आस-पास मौजूद था। यह फुटेज केस की गुत्थी सुलझाने में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग दे सकता है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो

वीडियो साझा करने वाले देव सिंह ने इंस्टाग्राम पर लिखा, जब मैंने वीडियो में राजा को देखा, तो दिल टूट गया। वह सामान्य दिख रहा था, उसे अंदाजा नहीं था कि उसका जीवन खत्म होने वाला है। देव ने बताया कि उसके पास एक और वीडियो भी है, जिसमें इंदौर के तीन अन्य लोग नजर आ रहे हैं, जो कपल से 20 मिनट पहले ट्रैकिंग पर निकले थे और जिन्हें पुलिस बाद में हिरासत में ले चुकी है।

सोनम पुलिस रिमांड में, पांच गिरफ्तार

इस मामले में अब तक सोनम समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। राजा रघुवंशी का शव खाई में मिला था, जिससे यह मामला हत्या की दिशा में मुड़ गया। सोनम इस समय शिलांग पुलिस की रिमांड में है और उससे पूछताछ की जा रही है।

सोनम डंडा लिए ट्रैकिंग कर रही

वीडियो में देखा गया कि सोनम रघुवंशी हाथ में डंडा लिए ट्रैकिंग कर रही है और जैसे ही वह देव सिंह ने के कैमरे के सामने आती है, उसकी नजरें सीधे कैमरे के लेंस पर टिक जाती हैं। उसका व्यवहार सतर्कता भरा लगता है, मानो वह कैमरे में रिकॉर्ड नहीं होना चाह रही हो। वहीं राजा रघुवंशी पीछे-पीछे पानी की बोतल और कुछ कपड़े लेकर चुपचाप चलता नजर आता है।

क्या हत्या से पहले का है ये वीडियो ?

इस वीडियो को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह फुटेज राजा की हत्या से कुछ ही घंटे पहले का है, तो यह पुलिस जांच के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकता है। शिलांग पुलिस इस केस में चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है, ऐसे में यदि यह वीडियो जांच में शामिल होता है तो घटनास्थल से इसकी दूरी और समय का निर्धारण अहम हो जाएगा।

भोपाल। सोमवार से प्रदेश के सरकारी स्कूल खुल गए हैं। भोपाल के कई स्कूलों में पहले दिन स्कूल पहुंचने पर छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

शिलांग पुलिस ने क्राइम सीन रिक्रिएट कराया 18 मिनट में कर दी थी राजा की हत्या !

शिलांग। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में शिलांग पुलिस लगातार पांचों आरोपियों से अलग-अलग पूछताछ कर रही है। इस हत्याकांड के मास्टर माइंड राज कुशवाह और राजा की पत्नी सोनम एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं।

रविवार को शिलांग पुलिस ने हत्याकांड का क्राइम सीन रिक्रिएट कराया तो खुलासा हुआ कि सोनम और हत्यारों ने महज 18 मिनट में ही वारदात को अंजाम दे दिया था। शिलांग पुलिस के हाथ राज और सोनम की पुरानी चेटिंग और रिकॉर्डिंग लगी है। रिकॉर्डिंग में सोनम की आवाज साफ सुनाई दे रही है। इसके कुछ अंश से राज और सोनम के मंसूबे साफ जाहिर होते हैं। चेटिंग में भी राज ने लिखा था कि अगर वह हट गया तो सब आसान हो जाएगा। सोनम ने लिखा था 'हम दोनों फिर साथ होंगे।' ये सबूत कोर्ट के लिए अहम है। पुलिस इसे चार्ज शीट में जोड़ने वाली है।

सब कुछ तय है, बस उसे लेकर आ जाओ

वायरल चेटिंग में राज ने कहा कि चिंता मत करो सब टाइम पर होगा। सब कुछ तय है, बस उसे लेकर आ जाओ। मेघालय में सब अपने तरीके से संभाल लेंगे और जो भी करना होगा वह भी संभाल लेंगे। वहां कोई शक नहीं करेगा। राज की बात सुनकर सोनम जवाब देती है 'मैं भी यही चाहती हूं। एक बार यह सब हो जाए फिर हम चेन से रहेंगे।' इस कॉल के सामने आने के बाद राजा के परिवार का दर्द और बढ़ गया। उनके भाई विपिन रघुवंशी का कहना है कि अब शक की कोई गुंजाइश नहीं रही। वहीं, पुलिस के लिए ये रिकॉर्डिंग जांच का अहम हिस्सा है।

अब सब साफ होगा कि कैसे हत्या हुई

राज कुशवाह, सोनम रघुवंशी, विशाल उर्फ विक्की चौहान, आनंद कुर्मी, आकाश राजपूत शिलांग पुलिस के रिमांड पर चल रहे हैं। आरोपियों से पूछताछ में रोज नए खुलासे हो रहे। हालांकि, हत्याकांड की सुपारी देने से सोनम और राज ने इनकार किया। राज का कहना है कि विशाल, आनंद और आकाश ने दोस्ती के नाम पर उनका साथ दिया। हाल ही में एक ऑडियो वायरल हुआ, जो कि राज और सोनम का बताया जा रहा है। इस ऑडियो में तीसरा नाम आनंद का है, जो कि हत्याकांड की सबसे बड़ी कड़ी है। हत्याकांड से पहले आनंद को शक हो गया था कि पकड़े जा सकते हैं। इसके चलते उसने अपना फोन पहले ही बंद कर लिया था। जब शिलांग पुलिस ने कॉल रिकॉर्डिंग सुनाकर राज से पूछताछ की तो उसने कहा कि वो और सोनम इस काल में है, लेकिन उनका मकसद राजा को मारना नहीं सिर्फ डराना था।

कई प्राइवेट स्कूलों ने छुट्टियां बढ़ाई, छात्रों को मिली राहत

नर्सरी से 8वीं तक की छुट्टियां 23 तक तो 9वीं से 12वीं तक की छुट्टियां 20 तक रहेंगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में ग्रीष्मकालीन अवकाश अब समाप्त हो चुका है और राज्य के सभी सरकारी स्कूल सोमवार से खुल गए हैं। ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और रतलाम जैसे जिलों में जिला शिक्षा अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि 15 जून तक का ही अवकाश था और अब सोमवार से नया शैक्षणिक सत्र 2025-26 औपचारिक रूप से शुरू हो गया है। हालांकि सरकार ने छुट्टियों को आगे बढ़ाने का कोई निर्देश नहीं दिया है, फिर भी कुछ निजी स्कूलों ने छोटे बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए छुट्टियां बढ़ा दी हैं। नर्सरी से 8वीं तक की कक्षाओं के लिए छुट्टियां अब 23 जून तक रहेंगी, जबकि 9वीं से 12वीं तक के छात्र 20 जून तक अवकाश पर रहेंगे। भोपाल के जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र अहिरवार ने साफ तौर पर कहा कि निजी स्कूलों को यह छूट दी गई है कि वे अपने स्तर पर स्कूल खोलने या छुट्टियां बढ़ाने का निर्णय लें। हालांकि, सरकारी स्कूलों के लिए किसी प्रकार की तिथि में बदलाव नहीं किया गया है और वे तय समय पर ही खुलेंगे।

उधर, कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. विनोद शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कलेक्टर से अनुरोध किया है कि चिलचिलाती गर्मी को देखते हुए नया सत्र 1 जुलाई से शुरू किया जाए। हालांकि, इस पर जिला प्रशासन की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। जबलपुर जिले में सभी सरकारी स्कूल 16 जून से ही खुल गए और सभी शिक्षकों को समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, कुछ निजी स्कूल 17 जून से तो कुछ 23 जून से कक्षाएं शुरू करेंगे। उज्जैन में सभी स्कूल सोमवार से शुरू हो गए। जिन स्कूलों में 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं चल रही हैं, वहां कक्षाएं दोपहर 12 बजे से लगेंगी। बाकी स्कूलों में शेड्यूल के अनुसार सुबह या दिन की पाली में कक्षाएं संचालित होंगी।

गुना जिले में डीईओ सीएस सिसोदिया ने बताया कि सभी

सरकारी स्कूल अपने निर्धारित समय 10.30 बजे से 5.30 बजे तक संचालित होंगे। अगर तापमान और अधिक बढ़ता है, तो स्कूल का समय बदलने पर विचार किया जा सकता है। रतलाम में सभी सरकारी और अधिकांश निजी स्कूल खुलेंगे, लेकिन कुछ निजी स्कूलों ने नर्सरी से कक्षा 5वीं तक के छात्रों के लिए कक्षाएं 18 जून से शुरू करने का निर्णय लिया है। सागर जिले के शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने स्पष्ट किया है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश को लेकर किसी प्रकार का बदलाव नहीं हुआ है। सभी सरकारी और निजी स्कूल निर्धारित समय पर खुलेंगे।